मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 22
सोमवार, 27 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

पाकिस्तान से अब केवल पीओके पर होगी बात, कारगिल विजय दिवस पर बोले राजनाथ सिंह

लद्दाख, 26 जुलाई। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रविवार को लद्दाख के द्रास में आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर केंद्र सरकार का रुख एक बार फिर स्पष्ट किया। शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की ओर से पाकिस्तान के साथ यदि कोई बातचीत होगी तो वह केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के मुद्दे पर ही होगी। उन्होंने कहा कि यह भारत का अभिन्न हिस्सा है, जिस पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है।

बता दें कि हर वर्ष 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1999 में भारतीय सेना ने कारगिल युद्ध में पाकिस्तान समर्थित घुसपैठियों को खदेड़ते हुए ऐतिहासिक विजय हासिल की थी। इस अवसर पर देशभर में शहीद सैनिकों के बलिदान को याद किया जाता है और उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है।

द्रास में अपने संबोधन के दौरान राजनाथ सिंह ने भारत और पाकिस्तान की तुलना करते हुए कहा कि आज भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक से जुड़े बड़े डेटा केंद्र स्थापित कर रहा है, जबकि पाकिस्तान कट्टरपंथ को बढ़ावा देने वाले केंद्र तैयार करने में लगा हुआ है। उनके अनुसार यही दोनों देशों की सोच और विकास की दिशा का सबसे बड़ा अंतर है। रक्षा मंत्री ने हाल में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने दुनिया को साफ

संदेश दिया है कि जो लोग आतंकवाद का समर्थन करेंगे या उसमें शामिल होंगे, उन्हें उसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा और संप्रभुता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा।

गौरतलब है कि राजनाथ सिंह ने भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि पहले भारतीय सेना के पास शक्ति या क्षमता की कमी थी। सेना पहले भी उतनी ही सक्षम थी, लेकिन उस समय राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी महसूस की जाती थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कोई कमी नहीं है और भविष्य में भी नहीं रहेगी। सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सेना को आवश्यक निर्णय लेने की पूरी स्वतंत्रता देती है।

उन्होंने सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक भारतीय जवान सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं, तब तक कोई भी देश भारत की ओर बुरी नजर डालने का साहस नहीं कर सकता। उनके अनुसार अब वह दौर बीत चुका है जब नई दिल्ली में बैठी सरकारें सशस्त्र बलों को प्राथमिकता नहीं देती थीं। आज सरकार सुरक्षा से जुड़े मामलों में सेना के साथ मजबूती से खड़ी है। अपने संबोधन के अंत में रक्षा मंत्री ने कारगिल युद्ध के वीर अधिकारी कैप्टन विक्रम बत्रा को याद किया।

कर्नाटक के पूर्व सीएम सिद्दारमैया का बड़ा फैसला, 2028 में नहीं लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

कर्नाटक, 26 जुलाई। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने भविष्य की चुनावी राजनीति से दूरी बनाने की बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि वह 2028 का कर्नाटक विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे और न ही इसके बाद किसी अन्य चुनाव में उम्मीदवार बनेंगे। अपने इस बड़े फैसले की वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि आज के दौर में राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है और इसमें ईमानदार राजनीति के लिए जगह दिन-ब-दिन कम होती जा रही है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए सिद्दारमैया ने लिखा, आज राजनीति का क्षेत्र पूरी तरह से भ्रष्ट हो गया है। इसीलिए मैंने 2028 का विधानसभा चुनाव न लड़ने का फैसला लिया है। हालांकि, मैं सक्रिय राजनीति में बना रहूंगा और जनता के सुख-दुख की आवाज उठाता रहूंगा। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि चुनाव न लड़ने के बाद पार्टी संगठन में उनकी क्या भूमिका रहेगी।सिद्दारमैया ने बताया कि उनके वरुणा विधानसभा क्षेत्र के लोग उन पर फिर से चुनाव लड़ने का दबाव बना रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपना मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार का कार्यकाल अभी करीब डेढ़ साल बाकी है। तब तक उनकी उम्र 81-82 साल हो जाएगी और सेहत भी पहले जैसी नहीं रहेगी। अब पहले जैसी एनर्जी और जोश के साथ काम करना मुमकिन नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले चुनाव जनता के सहयोग से लड़े जाते थे, लेकिन अब माहौल पूरी तरह बदल चुका है।

अपने 50 साल लंबे राजनीतिक सफर को याद करते हुए सिद्दारमैया ने कहा कि 2028 में उनके इस सफर के 50 साल पूरे हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि 1978 में एक तालुक बोर्ड सदस्य के रूप में उन्होंने अपने करियर की शुरूआत की थी। इस लंबे दौर में उन्होंने कई जीत और हार देखीं, लेकिन उन्हें इस बात की खुशी और सुकून है कि उन्होंने कभी अपने उसूलों से समझौता नहीं किया और न ही अपनी अंतरात्मा के खिलाफ जाकर कोई काम किया।आज के चुनावी माहौल पर तीखा हमला बोलते हुए सिद्दारमैया ने कहा कि अब चुनाव लड़ने के लिए लोगों को पैसे बांटने पड़ते हैं। राजनीति में ईमानदारी से टिके रहना बहुत मुश्किल हो गया है। अपने संदेश के आखिर में उन्होंने कर्नाटक की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि पिछले पांच दशकों से लोगों ने उन्हें जो प्यार और सम्मान दिया है, उसके लिए वे हमेशा आभारी रहेंगे। भले ही वे चुनाव न लड़ें, लेकिन अपनी जिंदगी का बाकी समय जनता की सेवा में ही लगाएंगे।

पीएम मोदी ने कारगिल के वीरों को किया नमन

नई दिल्ली, 26 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में देशवासियों को कारगिल विजय दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह खास दिन हमें हमारे जवानों के हौसले, हिम्मत और उनकी कुर्बानी की याद दिलाता है। इसी जज्बे को सलाम करने के लिए इस बार एक खास 'शौर्य यात्रा' भी निकाली गई।

पीएम मोदी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हम सभी को गर्व से भर देता है। कारगिल की ऊंची और कठिन पहाड़ियां हों, खराब मौसम हो या सामने से दुश्मन की चुनौती, हर मुश्किल हमारे जवानों के सामने खड़ी थी। लेकिन उनका इरादा हर मुसीबत से बहुत बड़ा था। उन्होंने भारत माता की रक्षा के लिए अपनी जान तक न्योछावर कर दी। आज इस मौके पर मैं सभी शहीद और जांबाज सैनिकों को दिल से नमन करता हूं।

भारतीयवायु सेना भर्ती

पीएम मोदी ने 'कैच द रेन' अभियान की तारीफ करते हुए कहा कि गांव और शहर, दोनों जगह लोगों ने इसमें जमकर हिस्सा लिया। इसके बाद नौसेना की ताकत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है। यह आधुनिक युद्धपोत पूरी तरह भारत में ही डिजाइन और बना है, जिसमें 75 प्रतिशत से ज्यादा सामान अपने देश का लगा है। यह आत्मनिर्भर भारत का एक बेहतरीन उदाहरण है।

पीएम मोदी ने बताया कि इस महीने डीआरडीओ ने लंबी दूरी की 'पिनाका' गाइडेड रॉकेट और हाल ही में कुशा मिसाइल का सफल टेस्ट किया है। इसका श्रेय हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की कड़ी मेहनत को जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि आज चाहे रक्षा सामान बनाना हो, उन्हें दूसरे देशों को बेचना हो या दोस्तों के साथ रिश्ते मजबूत करना हो, भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में इंडोनेशिया दौरे के दौरान ब्रह्मोस और अस्त्र मिसाइल को लेकर एक बड़ी डील हुई है। आज पूरी दुनिया का भारत की टेक्नोलॉजी और रक्षा हथियारों पर भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

भारत ने जिम्बाब्वे का किया सूपड़ा साफ, तीसरे टी20 में किया दमदार प्रदर्शन; वैभव और मयंक यादव चमके

हरारे, 26 जुलाई। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी20 मैच में 35 रनों से हराया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 157 रन ही बना सकी। भारत ने इस तरह जिम्बाब्वे को 3-0 से क्लीन स्वीप किया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की यह पहली टी20 सीरीज जीत है। इससे पहले टीम इंडिया को उनकी कप्तानी में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम को धीमी पिच पर बेहद संयमित बल्लेबाजी की जरूरत थी, लेकिन उसके

बल्लेबाज ऐसा नहीं कर सके। पिछले मैचों की तरह इस मुकाबले में भी जिम्बाब्वे ने शुरूआती ओवरों में कई विकेट गंवा दिए और पावरप्ले का फायदा उठाने में नाकाम रही। तेज गेंदबाज यश ठाकुर ने चौथे ओवर में लगातार दो गेंदों पर डियोन मायर्स और कप्तान सिकंदर रजा को आउट कर मेजबान टीम का स्कोर तीन विकेट पर 34 रन कर दिया। हालांकि भारतीय खिलाड़ियों ने खराब फील्डिंग करते हुए चार कैच छोड़े और कुछ बाउंड्री भी दीं। बर्ल ने भरोसेमंद पारी खेली और पांचवें विकेट के लिए वेस्ले माधेवेरे के साथ 60 रन की अच्छी साझेदारी की। जिम्बाब्वे के खिलाड़ियों ने मैदान के चारों ओर कुछ जोरदार शॉट खेले, लेकिन शुरूआती नुकसान की भरपाई करना मुश्किल था। लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही, लेकिन रेयान बर्ल ने दमदार प्रदर्शन किया और अर्धशतक लगाया। हालांकि, उनका अर्धशतक भी टीम को जीत नहीं दिला सका। बर्ल 43 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 54 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, वेस्ले माधेवेरे ने 28 और बेन करन ने 20 रन बनाए। भारत की ओर से मयंक यादव ने तीन विकेट लिए, जबकि यश ठाकुर को दो सफलता मिली। अशोक शर्मा और रवि बिश्नोई ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले, भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। सूर्यवंशी ने धीमी शुरूआत करते हुए पहली 10 गेंदों पर सिर्फ 11 रन बनाए। फिर अगली 10 गेंदों पर 15 रन और आखिरकार उन्होंने 31 गेंद में अपना दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया। उम्मीद के अनुरूप सूर्यवंशी की पारी में कुछ शानदार शॉट्स भी देखने को मिले। दूसरी ओर उनके सलामी जोड़ीदार अभिषेक शर्मा लगातार छठी बार खराब स्कोर पर आउट हो गए।

लेकिन सूर्यवंशी ने काफी परिपक्वता दिखाई और दूसरे विकेट के लिए ईशान किशन (29) के साथ 75 रन की साझेदारी की। उसके बाद उन्होंने अगले विकेट के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर (27) के साथ 50 रन की साझेदारी की।

Punjab Paper Leak Row: बीजेपी के आरोपों पर सीएम भगवंत मान का पलटवार

पंजाब। पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अब पंजाब की राजनीति में नया बवाल खड़ा हो गया है। बीजेपी ने पंजाब में कथित पेपर लीक का मुद्दा उठाते हुए आम आदमी पार्टी सरकार के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग की है। हालांकि, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इन सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनके कार्यकाल में राज्य में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आम आदमी पार्टी पर हमला बोलते हुए सवाल किया, पंजाब के शिक्षा मंत्री कब इस्तीफा दे रहे हैं? अरविंद केजरीवाल नैतिकता की बात करते हैं, तो वे अपने पंजाब के शिक्षा मंत्री से इस्तीफा कब मांगेंगे? उन्होंने पंजाब में कई परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक के गंभीर आरोप लगाए, जिनमें PSEB कक्षा 12वीं की अंग्रेजी बोर्ड परीक्षा, पंजाब राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षा, कृषि विकास अधिकारी परीक्षा, PSSSB ग्रुप-इ भर्ती और अन्य संयुक्त परीक्षाएं, नायब तहसीलदार और फामेर्सी अधिकारी भर्ती में बड़े पैमाने पर नकल और आबकारी और कराधान निरीक्षण मेरिट लिस्ट में फर्जी नामों का सामने आना शामिल हैं। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा, मैं आपको गारंटी देता हूं कि पंजाब में कोई पेपर लीक नहीं होगा। दो जगहों पर परीक्षा के दौरान नकल करने और कराने की कोशिशें जरूर हुई थीं, लेकिन हमने महज 10 मिनट के अंदर सख्त एक्शन लिया और नकल कराने वाले गिरोहों को बेनकाब किया।

काशी का विकास दुनिया के लिए मिसाल, पारदर्शिता से बढ़ेगा जनविश्वास : अग्निहोत्री

सुरेश गांधी

वाराणसी। राज्य सूचना आयुक्त डॉ. दिलीप अग्निहोत्री ने रविवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम में बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन कर काशी के तीव्र गति से हो रहे विकास की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्व की प्राचीनतम जीवंत नगरी काशी अपने गौरव के अनुरूप आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और आधुनिक विकास की नई ऊंचाइयों को छू रही है। काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद से वाराणसी विकास का राष्ट्रीय मॉडल बनकर उभरा है। अब तक 36,210 करोड़ रुपये की लागत से 536 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि 25,007 करोड़ रुपये की

191 परियोजनाओं पर तेजी से कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में समीक्षा बैठक में रोप-वे परियोजना, जल जीवन मिशन, दालमंडी सड़क चौड़ीकरण, अंडरग्राउंड केबलिंग के बाद सड़कों की मरम्मत, नई टाउनशिप, यूनिटी मॉल समेत सभी प्रमुख परियोजनाओं को तय समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए हैं। डॉ. अग्निहोत्री ने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम सुशासन का प्रभावी माध्यम है। जन सूचना अधिकारियों की जिम्मेदारी केवल सूचना देना नहीं, बल्कि नागरिकों की समस्याओं के समाधान में भी सक्रिय भूमिका निभाना है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में जन सूचना अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने को उत्तर प्रदेश और देश के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने वाला ऐतिहासिक क्षण है।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW
SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

तथ्य, दुष्प्रचार और भारतीय राजनीति का बदलता हुआ स्वरूप

- महेन्द्र तिवारी

भारत में सोशल मीडिया का स्वरूप अब महज एक दूसरे से जुड़ने या तस्वीरें साझा करने के मंच तक सीमित नहीं रह गया है। यह आज राजनीतिक विमर्श, जनमत निर्माण और बड़े जन आंदोलनों का सबसे सशक्त और परिवर्तनकारी माध्यम बन चुका है। कॉकरोच जनता पार्टी ने जिस तरह से पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है, वह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि डिजिटल दुनिया किस प्रकार सड़क की राजनीति को गहराई से आकार दे रही है। इस आंदोलन ने यह पूरी तरह साबित कर दिया है कि युवाओं का असंतोष जब सोशल मीडिया के एल्गोरिदम और नेटवर्क के माध्यम से संगठित होता है, तो यह व्यवस्था के सर्वोच्च स्तर तक अपनी गूंज पहुंचा सकता है। इस पूरे घटनाक्रम में समर्थकों और विरोधियों के बीच जो तीखी बयानबाजी हुई, उसने आधुनिक लोकतंत्र में सूचना, तथ्य और दुष्प्रचार के बीच की लगातार धुंधली होती रेखा को भी पूरी तरह उजागर कर दिया है। कॉकरोच जनता पार्टी का उदय एक बहुत ही दिलचस्प और विचारणीय विषय है। इसकी शुरुआत एक व्यंग्यात्मक अभियान के रूप में हुई थी, जिसका प्रारंभिक उद्देश्य संभवतः व्यवस्था की खामियों पर हल्का कटाक्ष करना था। लेकिन देखते ही देखते यह लाखों युवाओं की मुखर आवाज बन गया। इस अप्रत्याशित सफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण वह गहरी और संरचनात्मक निराशा थी जो आज के युवाओं में परीक्षा पत्र लीक होने, भर्ती प्रक्रियाओं में होने वाली घोर अनियमितताओं और लगातार बढ़ती बेरोजगारी को लेकर व्याप्त है। जब भारत के महत्वकांक्षी युवाओं को पारंपरिक राजनीतिक ढांचे में अपने जीवन से जुड़े ज्वलंत सवालों के जवाब नहीं मिले, तो उन्होंने डिजिटल मंचों को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया। इस आंदोलन ने शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल सुधार और रोजगार के समान अवसरों की मांग को इतनी मजबूती से उठाया कि सरकार को भी बचाव की मुद्रा में आना पड़ा। दिल्ली सहित कई अन्य बड़े शहरों में हुए विशाल प्रदर्शनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह केवल एक आभासी या डिजिटल आक्रोश नहीं था, बल्कि जमीन पर उबल रहा एक वास्तविक और तीव्र गुस्सा था, जिसने अंततः शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक की मांग को मुख्य राष्ट्रीय विमर्श में ला खड़ा किया। जैसे जैसे आंदोलन ने गति पकड़ी और इसका प्रभाव बढ़ने लगा, वैसे वैसे इसके खिलाफ भी एक समानांतर और अत्यंत आक्रामक डिजिटल अभियान शुरू हो गया। सोशल मीडिया की यही मूल प्रकृति है कि यहां हर राजनीतिक क्रिया की एक त्वरित और अक्सर बहुत उग्र प्रतिक्रिया होती है। अनेक वायरल पोस्टों के माध्यम से आंदोलन के संस्थापकों और प्रमुख चेहरों पर अत्यंत गंभीर और संगीन आरोप लगाए जाने लगे। यह दावा बड़े पैमाने पर किया गया कि इस आंदोलन का वास्तविक संचालन विदेशों से हो रहा है और इसके पीछे भारत विरोधी विदेशी शक्तियों का हाथ है। कुछ भ्रामक दावों में तो यहां तक कहा गया कि इनके डिजिटल समर्थकों और फॉलोअर्स का एक बहुत बड़ा हिस्सा पड़ोसी देशों से संचालित हो रहा है। लेकिन किसी भी परिपक्व लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी आरोप को तब तक सत्य नहीं माना जा सकता जब तक कि उसके समर्थन में ठोस, निष्पक्ष और स्वतंत्र प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध न हों। प्रमुख और विश्वसनीय समाचार संस्थानों ने भी इन आंकड़ों की कोई पुष्टि नहीं की। ऐसे में, बिना किसी विश्वसनीय साक्ष्य के इन गम्भीर दावों को आंख मूंदकर स्वीकार कर लेना केवल राजनीतिक दुष्प्रचार को बढ़ावा देना है।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी और शायद सबसे खतरनाक चुनौती यह है कि यहां किसी भी सत्यापित सत्य से अधिक भड़काने वाली भावनाएं तेजी से फैलती हैं। यदि कोई सूचना या दावा राष्ट्रवाद, धर्म, राष्ट्रीय सुरक्षा या किसी ऐतिहासिक अन्याय जैसे संवेदनशील विषयों से जुड़ा हो, तो इसके वायरल होने की गति कई गुना बढ़ जाती है। राजनीतिक दल, उनके सूचना तंत्र और विभिन्न हितधारक संगठन आम जनमानस के इस मनोविज्ञान को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। यही कारण है कि आज डिजिटल प्रचार और सूचनाओं का हेरफेर राजनीतिक रणनीति का एक अत्यंत अभिन्न अंग बन गया है। इस पूरी प्रक्रिया में अक्सर अपुष्ट और भ्रामक जानकारी इतने बड़े पैमाने पर और इतनी चतुराई से फैलाई जाती है कि एक आम नागरिक के लिए यह तय करना लगभग असंभव हो जाता है कि क्या सच है और क्या पूर्ण रूप से झूठ। भावनाओं के इस तेज ज्वार में तथ्य कहीं बहुत पीछे छूट जाते हैं, और हमारा समाज एक ऐसे अंधे ध्रुवीकरण की ओर बढ़ जाता है जहां शांत और तार्किक बहस के लिए कोई स्थान नहीं बचता। इस पूरे राष्ट्रीय विवाद के दौरान सरकार और कानून व्यवस्था बनाए रखने वाली एजेंसियों की भूमिका भी गहन जांच और चर्चा का विषय बनी रही। जब हजारों युवा अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे तो उन पर नजर रखने के लिए सरकार द्वारा ड्रोन, सीसीटीवी कैमरे और अन्य अत्याधुनिक आधुनिक निगरानी प्रणालियों का व्यापक स्तर पर उपयोग किया गया। इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर यह अफवाह भी बहुत तेजी से फैली कि प्रत्येक प्रदर्शनकारी की पहचान उनके आधार कार्ड, फिंगरप्रिंट और चेहरे की पहचान करने वाली तकनीकों के माध्यम से तुरंत की जा रही है। यद्यपि इन डराने वाली बातों की कोई स्वतंत्र मीडिया पुष्टि नहीं हुई, लेकिन इसने राज्य द्वारा डिजिटल निगरानी के लगातार बढ़ते दायरे पर एक नई और गंभीर कानूनी बहस छेड़ दी। यह सच है कि आधुनिक समय में राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तकनीक का उपयोग आवश्यक है, लेकिन इसका उपयोग नागरिकों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकारों को दबाने या उनकी निजता का हनन करने के लिए कतई नहीं किया जाना चाहिए। इस पूरे राजनीतिक विवाद का एक अत्यंत निराशाजनक पहलू सार्वजनिक संवाद और राजनीतिक भाषा के लगातार गिरते स्तर से जुड़ा हुआ है। सोशल मीडिया पर विरोधियों के खिलाफ जिस प्रकार की जहरीली भाषा का प्रयोग किया गया, वह किसी भी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज के लिए बहुत ही चिंताजनक है। वैचारिक विरोधियों को नीचा दिखाने के लिए अत्यंत अपमानजनक शब्दों का लगातार इस्तेमाल और यहां तक कि उन्हें हिंसक तरीके से सबक सिखाने की खुली धमकियां आम हो गई। लोकतंत्र में वैचारिक असहमति का होना न केवल स्वाभाविक है बल्कि व्यवस्था को जीवंत बनाए रखने के लिए बहुत आवश्यक भी है। लेकिन जब यह असहमति व्यक्तिगत शत्रुता में बदल जाए और खुलेआम हिंसा का आह्वान होने लगे, तो यह हमारे महान लोकतांत्रिक मूल्यों का सीधा और स्पष्ट उल्लंघन माना जाता है। भारत का संविधान हर नागरिक को अभिव्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता का अधिकार देता है, लेकिन इस अधिकार के साथ यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी है कि हम कानून व्यवस्था का सम्मान करें। डिजिटल आवरण वाले इन आंदोलनों को लेकर राजनीतिक विश्लेषकों के मन में यह सवाल उठना बिल्कुल लाजिमी है कि क्या ये ऑनलाइन उभार भविष्य में किसी ठोस और स्थायी राजनीतिक विकल्प का रूप ले सकते हैं। दुनिया भर का ऐतिहासिक अनुभव हमें यह बताता है कि सोशल मीडिया के माध्यम से अचानक भीड़ जुटाना या किसी एक मुद्दे को वैश्विक स्तर पर चर्चित कर देना एक बात है, लेकिन उस क्षणिक उबाल को एक स्थायी राजनीतिक शक्ति में बदलना बिल्कुल अलग और कठिन बात है। एक सफल राजनीतिक दल या बड़े आंदोलन के लिए एक बहुत ही स्पष्ट विचारधारा, जमीन से गहराई तक जुड़ा हुआ मजबूत संगठन, पारदर्शी वित्तीय संरचना और अत्यंत दूरदर्शी नेतृत्व की आवश्यकता होती है। केवल कुछ वायरल वीडियो, व्यंग्यात्मक पोस्ट या लाखों सोशल मीडिया फॉलोअर्स के दम पर किसी भी देश की व्यवस्था में स्थायी परिवर्तन नहीं लाया जा सकता। इन डिजिटल आंदोलनों को यथार्थ के धरातल पर उतरना ही होगा। अंततः इस पूरे बदलते राजनीतिक परिदृश्य में सबसे बड़ी और निर्णायक भूमिका युवाओं, आम नागरिकों और मुख्यधारा की मीडिया की ही रहने वाली है। भारत की एक बहुत बड़ी आबादी युवाओं की है, और यदि उनके रोजगार, निष्पक्ष प्रतियोगी परीक्षाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े बुनियादी सवालों को नीतिगत स्तर पर हल नहीं किया गया, तो ऐसे आंदोलन भविष्य में भी नए रूपों में जन्म लेते रहेंगे। दूसरी ओर, युवाओं और सभी नागरिकों को भी यह बहुत अच्छी तरह समझना होगा कि वे डिजिटल दुनिया के हर चमकते दावे पर आंख मूंदकर विश्वास न करें। तथ्य जांच करना, सूचना के मूल स्रोत को ध्यान से परखना और भ्रामक संदेशों को आगे साझा करने से बचना आज के समय का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण नागरिक कर्तव्य है। आधुनिक लोकतंत्र की वास्तविक सफलता अब केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि हम सार्वजनिक विमर्श को कितनी जिम्मेदारी, तथ्यपरकता और परिपक्वता के साथ आगे बढ़ाते हैं।

नैतिकता का नया तकाजा, कांग्रेस की आक्रामकता और पंजाब सरकार के सामने कसौटी

अशोक भाटिया

भारतीय लोकतंत्र में नैतिक जिम्मेदारी और राजनीतिक शुचिता का मुद्दा समय-समय पर करवटें लेता रहा है। हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसी लोकतांत्रिक परिपक्वता और जवाबदेही की एक मिसाल बनकर सामने आया है। नीट-यूजी परीक्षा के विवादों, पेपर लीक के आरोपों और देशव्यापी छात्र आंदोलनों के लंबे दौर के बाद केंद्र सरकार के इस बड़े चेहरे का जाना महक एक व्यक्ति का इस्तीफा नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक दबाव की बड़ी जीत है। लेकिन राजनीति का एक शाश्वत नियम है कि जब दिल्ली में पत्ता हिलता है, तो उसकी सरसराहट राज्यों की राजधानियों तक भी पहुंचती है। धर्मेंद्र प्रधान के इस कदम ने न केवल केंद्र सरकार की जवाबदेही को रेखांकित किया है, बल्कि देश की राजनीति में एक नया नैतिक मानदंड भी स्थापित कर दिया है। इस घटनाक्रम के तुरंत बाद, देश भर में विपक्षी ताकतों और खासकर आम आदमी पार्टी ने इसे लोकतंत्र की जीत बताया, लेकिन अब यही नैतिकता का तीर घूमकर खुद आम आदमी पार्टी की सरकार की तरफ मुड़ता दिख रहा है। विशेष रूप से पंजाब की सियासत में इस इस्तीफे के बाद से एक भारी भूचाल आया हुआ है, जहां मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस अब बेहद आक्रामक आंदोलन के मूड में है और राज्य के दो बड़े मंत्रियों के इस्तीफे की मांग जोर पकड़ रही है।

जब केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने अपना इस्तीफा सौंपा, तो आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से लेकर पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा तक, पूरी पार्टी ने इसे युवाओं के संघर्ष और ईमानदारी की जीत के रूप में प्रचारित किया। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शिक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर हुई चूक पर शीर्ष नेतृत्व की जवाबदेही तय होनी ही चाहिए। लेकिन पंजाब की सियासत पर नजर रखने वाले विश्लेषकों का मानना है कि नैतिकता का यह सिद्धांत एकतरफा नहीं हो सकता। पंजाब में पिछले कुछ समय से कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक विफलताएं, खनन और कुछ विभागों में पारदर्शिता की कमी को लेकर विपक्ष लगातार सरकार को घेर रहा है। अब धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को हथियार बनाकर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और अन्य ताकतों ने 'आप' सरकार पर जबरदस्त नैतिक दबाव बना दिया है।

पंजाब के राजनीतिक गलियारों में इस बात की पुरजोर चर्चा है कि यदि केंद्र में पेपर लीक और प्रशासनिक चूकों के लिए कोई मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ सकता है, तो पंजाब में विभिन्न मुद्दों और प्रशासनिक विफलताओं के घेरे में आए मंत्रियों पर कार्रवाई क्यों नहीं होनी चाहिए? विपक्ष का सीधा हमला मुख्यमंत्री भगवंत मान की कैबिनेट के उन दो प्रमुख चेहरों पर है, जिनके विभागों को लेकर हाल के दिनों में गंभीर सवाल उठे हैं।

पंजाब की सियासत में इस समय सबसे बड़ा और तीखा हमला कांग्रेस पार्टी की ओर से देखा जा रहा है। पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी ने इस मुद्दे को लेकर एक व्यापक रणनीति तैयार की है। कांग्रेस का तर्क बेहद सीधा और मारक है–जो आम आदमी पार्टी दिल्ली में बैठकर नैतिकता के लंबे-चौड़े भाषण देती है और केंद्रीय मंत्रियों के इस्तीफे पर जश्न मनाती है, वह अपने राज्य के मंत्रियों की गंभीर गलतियों पर पर्दा क्यों डाल रही है?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि पंजाब की जनता ने 'बदलाव' के नाम पर आम आदमी पार्टी को सत्ता सौंपी थी, लेकिन आज राज्य में प्रशासनिक अराजकता का माहौल है। कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मुद्दे को केवल बयानों तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि ब्लॉक स्तर से लेकर चंडीगढ़ में राजभवन और मुख्यमंत्री आवास के घेराव तक एक बड़ा जन-आंदोलन शुरू करने जा रही है। कांग्रेस की इस आक्रामकता ने पंजाब की भगवंत मान सरकार को रक्षात्मक मुद्रा में आने पर मजबूर कर दिया है, क्योंकि कांग्रेस इस आंदोलन के जरिए सीधे तौर पर युवाओं, बेरोजगारों और आम जनता की भावनाओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है।

पंजाब में इस समय मंत्रियों के इस्तीफे की मांग और कांग्रेस के नेतृत्व में खड़े हो रहे आंदोलन के पीछे कई गहरे आंतरिक कारण हैं:जैसे प्रशासनिक जवाबदेही की कमीः पंजाब में कई सरकारी परीक्षाओं, भर्तियों और प्रशासनिक फैसलों को लेकर लगातार उंगलियां उठती रही हैं। कांग्रेस का आरोप है कि युवाओं को रोजगार देने के वादे पर सत्ता में आई सरकार के राज में कई विसंगतियां और भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं, जिन पर मुख्यमंत्री चुप्पी साधे हुए हैं।नैतिक मापदंडों का दोहरा रवैयाः विपक्षी नेताओं का कहना है कि राजनीति में मापदंड सबके लिए समान होने चाहिए। अगर केंद्र की गलती पर इस्तीफा सही है, तो पंजाब सरकार के मंत्रियों की गलतियों पर चुप्पी क्यों? कांग्रेस इसे 'आप' का पाखंड करार दे रही है। जनता का बढ़ता असंतोषः पंजाब का युवा और किसान वर्ग हमेशा से अपने अधिकारों के प्रति मुखर रहा है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद राज्य के युवाओं में भी यह संदेश गया है कि लोकतांत्रिक दबाव के आगे सरकारों को झुकना ही पड़ता है। इसी भावना को कांग्रेस एक बड़े राष्ट्रव्यापी और राज्यव्यापी आंदोलन में बदलने की कोशिश कर रही है।

यह इस समय पंजाब की राजनीति का सबसे बड़ा और यक्ष प्रश्न बना हुआ है। सूत्रों और राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पंजाब कैबिनेट के दो मंत्रियों पर इस समय गाज गिरने की पूरी संभावना जताई जा रही है या कम से कम उन पर इस्तीफे का भारी दबाव है। हालांकि, आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐसी किसी भी संभावना से इनकार किया है और इसे विपक्ष की राजनीति बताया है।

लेकिन पर्दे के पीछे की कहानी कुछ अलग बयां करती है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए आंतरिक संतुलन और जनता के बीच अपनी छवि को बचाना सबसे बड़ी चुनौती होती है। 'आप' इस समय दोहरी मुसीबत में है। एक तरफ अगर वह अपने मंत्रियों का इस्तीफा नहीं लेती है, तो कांग्रेस उसे 'नैतिकता विरोधी' और 'दोहरे चरित्र वाली पार्टी' साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। दूसरी तरफ, यदि मंत्रियों के इस्तीफे ले लिए जाते हैं, तो यह सीधे तौर पर कांग्रेस और विपक्ष की बड़ी राजनीतिक जीत मानी जाएगी और इससे सरकार की अपनी कमजोरी उजागर होगी। इसके बावजूद, अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि पार्टी अपनी 'ईमानदार और जवाबदेह सरकार' की छवि को बचाए रखने के लिए आने वाले दिनों में कैबिनेट में बड़ा फेरबदल कर सकती है, जिसमें इन दो विवादित मंत्रियों की छुट्टी की जा सकती है या उनके विभाग बदले जा सकते हैं।

आम आदमी पार्टी का उदय ही पारंपरिक राजनीति के खिलाफ, भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन और उच्च नैतिक मूल्यों के आधार पर हुआ था। यही कारण है कि जनता इस पार्टी से अन्य दलों के मुकाबले कहीं अधिक शुचिता की उम्मीद करती है। लेकिन अब पंजाब में मुख्य विपक्षी दल के रूप में कांग्रेस ने 'आप' को उसी के जाल में फंसा दिया है। कांग्रेस ने याद दिलाया है कि अतीत में मामूली आरोपों पर भी 'आप' दूसरे दलों के इस्तीफे की मांग करती थी, तो आज वह खुद अपने मंत्रियों का बचाव क्यों कर रही है? पंजाब में भगवंत मान सरकार के लिए यह समय बेहद सतर्कता से कदम आगे बढ़ाने का है। कांग्रेस ने जिस तरह से मोचाबंदी की है और आंदोलन का मूड बनाया है, उसे देखते हुए सरकार इसे महज एक 'राजनीतिक नौटंकी' कहकर खारिज नहीं कर सकती। पंजाब की जनता बेहद बारीकी से देख रही है कि जिस बदलाव के नाम पर उन्होंने प्रचंड बहुमत दिया था, क्या वह बदलाव वाकई जमीन पर दिख रहा है या सत्ता में आने के बाद 'आप' भी उसी ढर्रे पर चल पड़ी है, जिस पर कभी पारंपरिक दल चला करते थे।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भारतीय राजनीति में एक स्वस्थ परंपरा की शुरूआत के रूप में देखा जाना चाहिए, जहां जनभावनाओं और छात्रों के आक्रोश का सम्मान करते हुए एक शीर्ष पद पर बैठे व्यक्ति ने जिम्मेदारी स्वीकार की। लेकिन इस घटना ने पंजाब की राजनीति को जिस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, वह यह साबित करता है कि लोकतंत्र में कोई भी दल जवाबदेही से बच नहीं सकता।

कांग्रेस का आंदोलन और पंजाब के दो मंत्रियों के इस्तीफे की मांग महज एक सियासी दांवपेच नहीं है, बल्कि यह इस बात की परीक्षा है कि हमारी प्रांतीय सरकारें नैतिक दबाव को किस तरह संभालती हैं। क्या मुख्यमंत्री भगवंत मान कड़े फैसले लेकर एक मिसाल कायम करेंगे, या फिर राजनीतिक नफे-नुकसान के गणित में उलझकर कांग्रेस के आंदोलन को और हवा देंगे? आने वाले कुछ दिन पंजाब की राजनीति की दशा और दिशा तय करने वाले होंगे, और यह देखना दिलचस्प होगा कि नैतिकता की इस नई कसौटी पर आम आदमी पार्टी खुद को कितना खरा साबित कर पाती है।

त्यागपत्र नहीं, भाजपा के उत्तरदायित्व का तेज

भारतीय लोकतंत्र का इतिहास यह प्रमाणित करता है कि किसी भी शासन की वास्तविक शक्ति केवल बहुमत में नहीं, बल्कि उसके नैतिक उत्तरदायित्व में निहित होती है। सत्ता का वैभव पद पर बने रहने में नहीं, बल्कि जनविश्वास की रक्षा करने में है। जो नेतृत्व अपने पद से अधिक महत्व राष्ट्र, समाज और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को देता है, वही इतिहास में सम्मान का अधिकारी बनता है।

पिछले दिनों शिक्षा व्यवस्था को लेकर उत्पन्न परिस्थितियों ने देश के करोड़ों विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को चिंतित किया। ऐसे समय में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से हटने का निर्णय लेते हुए कहा कि -

पिछले दस दिनों से घटनाक्रम देखकर मन दुखी था। हमारे बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाएँ, इसी पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री को भेज दिया।

यह केवल एक मंत्री का वक्तव्य नहीं है, बल्कि उस जनप्रतिनिधि की संवेदना है जिसने विद्यार्थियों की चिंता को अपने पद से ऊपर रखा। लोकतंत्र में ऐसे निर्णय भय या दबाव की नहीं, बल्कि नैतिक उत्तरदायित्व की अभिव्यक्ति होते हैं। भारतीय राजनीति में ऐसे उदाहरण कम मिलते हैं जहाँ किसी नेता ने व्यक्तिगत पद की अपेक्षा जनविश्वास को अधिक महत्व दिया हो।

यहीं से लोकतंत्र और सत्ता के चरित्र का अंतर स्पष्ट होता है।

दुर्भाग्य यह है कि देश के कुछ राजनीतिक दलों ने इस पूरे घटनाक्रम को आत्ममंथन का अवसर बनाने के बजाय राजनीतिक विजय के उत्सव में बदलने का प्रयास किया। लोकतंत्र में विरोध स्वाभाविक है, असहमति भी आवश्यक है, परन्तु किसी त्यागपत्र पर विजयोत्सव मनाना स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा का परिचायक नहीं कहा जा सकता। यदि किसी व्यक्ति के पद छोड़ने को ही सबसे बड़ी राजनीतिक उपलब्धि मान लिया जाए, तो यह प्रश्न भी उठता है कि क्या राजनीति का उद्देश्य केवल विरोध है या समाधान भी?

विपक्ष से एक लोकतांत्रिक प्रश्न पूछा जाना चाहिए।

विरोध करना उसका संवैधानिक अधिकार है, पर क्या उसने शिक्षा सुधार के लिए कोई व्यापक राष्ट्रीय खाका प्रस्तुत किया? क्या परीक्षा सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, प्रश्नपत्र संरक्षण, पारदर्शी मूल्यांकन, उत्तरदायी प्रशासन और विद्यार्थियों के हित में कोई ठोस वैकल्पिक व्यवस्था देश के सामने रखी? लोकतंत्र में केवल नारे पर्याप्त नहीं होते, समाधान भी देने पड़ते हैं। केवल आंदोलन से व्यवस्था नहीं बदलती; परिवर्तन के लिए दृष्टि, नीति और संकल्प भी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी की कार्यसंस्कृति सदैव स्पष्ट रही है। यहाँ पद प्रतिष्ठा का साधन नहीं, सेवा का माध्यम है। यहाँ संगठन व्यक्ति से बड़ा है और राष्ट्र सर्वोपरि। इसलिए जब भी जनविश्वास की रक्षा का प्रश्न आता है, भाजपा कठिन निर्णय लेने से पीछे नहीं हटती। यह भय की राजनीति नहीं, उत्तरदायित्व की राजनीति है। जो लोग इसे केवल राजनीतिक दबाव का परिणाम मानते हैं, वे भाजपा की कार्यसंस्कृति को समझने में भूल कर रहे हैं। उत्तरदायित्व स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और लोकतांत्रिक परिपक्वता का प्रमाण है।

प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी
प्रवक्ता, भारतीय जनता पार्टी,
मुंबई (महाराष्ट्र)

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि -

₹कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।₹

अर्थात मनुष्य का अधिकार केवल अपने कर्तव्य पर है, फल पर नहीं। सार्वजनिक जीवन में यही सिद्धांत सर्वोच्च मार्गदर्शक होना चाहिए। जब कर्तव्य सर्वोपरि हो जाता है, तब पद स्वयं गौण हो जाता है।

गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में लिखा है कि -

परहित सरिस धरम नहि भाई,
पर पीड़ा सम नहि अधमाई।

लोकतंत्र में सबसे बड़ी विजय सत्ता की नहीं, जनता के विश्वास की होती है

यदि देश के विद्यार्थियों का हित सर्वोपरि मानकर कोई निर्णय लिया जाता है, तो वह भारतीय संस्कृति की उसी महान परंपरा का विस्तार है जिसमें लोककल्याण को व्यक्तिगत प्रतिष्ठा से ऊपर रखा गया है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और तकनीक-सक्षम बनाया जाए। यदि कहीं प्रशासनिक त्रुटि हुई है, यदि किसी अधिकारी अथवा किसी अन्य स्तर पर लापरवाही हुई है, तो निष्पक्ष जाँच हो और दोषियों को कठोर दंड मिले। विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के प्रति किसी प्रकार की नरमी राष्ट्र के साथ अन्याय होगी। किंतु यह भी उतना ही आवश्यक है कि इस पूरे विषय को केवल राजनीतिक लाभ का माध्यम न बनाया जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने बार-बार देखा है कि सरकार कठिन निर्णय लेने से पीछे नहीं हटती। आवश्यक परिवर्तन करना, व्यवस्था में सुधार लाना और जनविश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देना–यही सुशासन का मूल है। इस नेतृत्व की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहाँ पद किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का दायित्व है।

भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता चाहे वह बूथ स्तर पर कार्य कर रहा हो अथवा किसी संवैधानिक पद पर आसीन हो राष्ट्रहित, संगठन और जनता के प्रति उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करने का संकल्प लेकर आगे बढ़ता है। यही कारण है कि भाजपा की शक्ति केवल संसद में संख्या नहीं, बल्कि संगठन का अनुशासन, कार्यकतोओं का समर्पण और जनता का विश्वास है।

भारत का लोकतंत्र व्यक्तियों से नहीं, संस्थाओं से चलता है; नारों से नहीं, नीतियों से आगे बढ़ता है; और क्षणिक राजनीतिक उत्साह से नहीं, दीर्घकालिक राष्ट्रीय संकल्प से अपना भविष्य गढ़ता है। इसलिए आज आवश्यकता राजनीतिक विजय की घोषणाओं से अधिक शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की है।

देश का विद्यार्थी राजनीति नहीं, विश्वास चाहता है। उसे चाहिए कि उसकी मेहनत सुरक्षित रहे, उसकी परीक्षा निष्पक्ष हो और उसका भविष्य किसी भी प्रकार की अनियमितता से प्रभावित न हो। यही सरकार का दायित्व है और यही पूरे राजनीतिक वर्ग की सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

लोकतंत्र में उत्तरदायित्व स्वीकार करना पराजय नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। जो नेतृत्व राष्ट्र और विद्यार्थियों के भविष्य को अपने पद से ऊपर रखता है, वही इतिहास में सम्मान पाता है। भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा व्यक्ति-पूजा की नहीं, कर्तव्य-पूजा की रही है। राष्ट्रहित सर्वोपरि है और जनता का विश्वास हमारी सबसे बड़ी पूँजी है।

हमारे प्रेरणाश्रोत भारतीय जनमानस की भावनाओं में हृदयस्थ पूर्व प्रधानमंत्री, **भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी** की अमर पंक्तियाँ आज भी प्रत्येक राष्ट्रसेवक को प्रेरणा देती हैं।

बाधाएँ आती हैं, आएँ,
घिरें प्रलय की घोर घटाएँ।
पाँवों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ।
निज हाथों में हँसते-हँसते,
आग लगाकर जलना होगा,
कदम मिलाकर चलना होगा।

यही भारतीय लोकतंत्र का संदेश है। चुनौतियाँ आएँगी, आरोप लगेंगे, विरोध होगा, किंतु राष्ट्रहित का मार्ग कभी नहीं रुकता। निर्णय वही ऐतिहासिक बनते हैं जो व्यक्तिगत सुविधा से नहीं, जनविश्वास से प्रेरित होते हैं।

आज भारतीय जनता पार्टी इसी विश्वास की नींव पर आगे बढ़ रही है। यह केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, संगठन, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के संकल्प पर आधारित एक जनआंदोलन है। लोकतंत्र की वास्तविक विजय तब होगी जब विद्यार्थियों का विश्वास और मजबूत होगा, शिक्षा व्यवस्था और अधिक पारदर्शी बनेगी तथा राजनीति का केंद्र दल नहीं, राष्ट्र और उसकी भावी पीढ़ियाँ होंगी।

यही लोकतंत्र का धर्म है। यही राष्ट्रधर्म है। और यही भारत की भविष्य यात्रा का पथ भी है।

नैतिकता नहीं,भारी युवा आक्रोश के चलते हुआ शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

-तनवीर जाफरी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर चल रहा छात्रों व युवाओं का आंदोलन अभी लगभग पूरे देश में फैलता ही जा रहा था कि गत शनिवार सरकार को उन्हें पद से हटाना ही पड़ गया। आंदोलित छात्रों को केवल विपक्ष या अन्य तमाम सेलेब्रिटीज का ही समर्थन नहीं मिला बल्कि उन्हें भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री मुरली मनोहर जोशी का भी समर्थन हासिल हुआ। जोशी ने छात्र आंदोलन को अपना समर्थन देते हुये कहा था कि 'महिलाओं और कम उम्र की लड़कियों के साथ बेरहमी से बुरा व्यवहार किया गया, जिससे उन्हें गहरा दुख हुआ। उन्होंने कहा कि छात्र कई दिनों से नई दिल्ली की सड़कों पर हैं और उनकी चिंताएँ वाजिब हैं, जिनका समाधान सहानुभूति और संवाद के माध्यम से होना चाहिए था, न कि केवल कानून-व्यवस्था का मामला मानकर बल प्रयोग से'। परन्तु अहंकारी सत्ता ने समय रहते शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की उनकी मांग पूरी करने के बजाय पुलिस बल का प्रयोग कर उन्हें भयभीत करने की रणनीति अपनाई। और आखिरकार पुलिस की दमनकारी नीति सरकार को और भारी पड़ गयी।

सवाल यह है कि जिस धर्मेंद्र प्रधान के जुलाई 2021 से जुलाई 2026 तक के शिक्षा मंत्री के कार्यकाल के दौरान देश में अलग-अलग स्तरों पर लगभग 70 से 80 बार पेपर लीक के मामले सामने आए हैं। जिस धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री मंत्री रहते विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं (विशेषकर NEET और UGC-NET) में हुई पेपर लीक की घटनाओं और उनके मानसिक तनाव के कारण और उसके बाद उनके भविष्य को लेकर पैदा हुई अनिश्चितता के चलते पिछले कुछ हफ़्तों में ही 21 छात्रों ने आत्महत्या कर ली। और देश के करोड़ों छात्रों का भविष्य सीधे तौर पर प्रभावित हुआ,केवल ठएएळ परीक्षा के पेपर लीक, परिणाम रद्द होने और री-टेस्ट (Re-exÔm) के कारण अकेले 22 लाख से अधिक (2.2 मिलियन) छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया और उन्हें दोबारा भीषण मानसिक तनाव में परीक्षा की तैयारी करनी पड़ी। इसी तरह UGC-NET परीक्षा,डार्क नेट पर पेपर लीक होने की वजह से रातों-रात परीक्षा रद्द होने के कारण 9 लाख से अधिक छात्रों का कैरियर सीधे प्रभावित हुआ। ऐसे शिक्षा मंत्री को हटाने में सरकार को आखिर इतना समय क्यों लगा?

दरअसल धर्मेंद्र प्रधान बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा और उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों से गहराई से जुड़े रहे हैं। उनका पूरा राजनीतिक और सामाजिक आधार संघ से ही प्रेरित रहा है। धर्मेंद्र प्रधान के पिता डॉ. देबेंद्र प्रधान ओडिशा में भाजपा के शुरूआती नेताओं में से थे और स्वयं संघ के आजीवन कार्यकर्ता रहे। डॉ. देबेंद्र प्रधान 1998-2004 के मध्य वाजपेयी सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री भी रहे। जुलाई 2021 में जब धर्मेंद्र प्रधान को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद की जिम्मेदारी दी गई, तो उन्होंने देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) को लागू करने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किया। इस दौरान उन्होंने पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा कर भारतीय महापुरुषों और स्वदेशी इतिहास को प्रमुखता से शामिल करने का कार्य किया, जिसे संघ के सांस्कृतिक और शैक्षिक दृष्टिकोण के अनुकूल माना जाता है।

धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री रहते हुए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और नए नेशनल Curriculum फ्रेम वर्क (NCF-SE 2023) के तहत स्कूली पाठ्यक्रमों (विशेषकर NCERT किताबों) में व्यापक बदलाव किए गए। इसमें वेदों, प्राचीन भारतीय ग्रंथों, पारंपरिक ज्ञान, प्राचीन खगोल विज्ञान और भारत की समृद्ध गणितीय विरासत (जैसे प्राचीन गणितज्ञों के योगदान) से जुड़े संदर्भों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। कक्षा 6 से ही कोडिंग, वित्तीय साक्षरता,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और स्थानीय शिल्पकला (जैसे मिट्टी के बर्तन बनाना, बागबानी आदि) जैसे व्यावहारिक विषयों को मुख्य पाठ्यक्रम में जोड़ा गया। स्कूली स्तर पर स्वास्थ्य, कल्याण और योग को शारीरिक शिक्षा के अनिवार्य और मुख्य मूल्यांकन का हिस्सा बनाया गया। इसी तरह ठउएफळ की कक्षा 6 से 12वीं तक की किताबों से पाठ्यक्रम का लगभग 30% हिस्सा हटा दिया गया, जिसे लेकर काफी विवाद भी हुआ। इतिहास की किताबों (विशेषकर कक्षा 12वीं) से 'मुगल दरबार', मुगल शासकों के इतिहास और उनके प्रशासनिक तौर-तरीकों से जुड़े कुछ विस्तृत अध्यायों और अंशों को हटाया या छोटा किया गया। सामाजिक विज्ञान की किताबों से 2002 के गुजरात दंगे, देश में लागू हुआ आपातकाल, नक्सली आंदोलन और शीत युद्ध के दौर से जुड़े कई महत्वपूर्ण संदर्भों और अध्यायों को पूरी तरह हटा दिया गया। कक्षा 9वीं और 10वीं की विज्ञान की किताबों से जीवों के विकास के सिद्धांत यानी 'डार्विन का सिद्धांत' और आवर्त सारणी (Periodic TÔble) के कुछ बुनियादी अध्यायों को मुख्य पाठ्यक्रम से हटाया गया। कक्षा 10वीं के नागरिक शास्त्र से 'लोकतंत्र और विविधता', 'लोकप्रिय संघर्ष और आंदोलन' तथा 'लोकतंत्र की चुनौतियां' जैसे अध्यायों को पाठ्यक्रम से बाहर किया गया। उस समय शिक्षा मंत्रालय और NCERT ने इन बदलावों पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा था कि यह बदलाव विशेषज्ञों की राय, विभिन्न स्तरों पर पाठों के दोहराव को रोकने और छात्रों को आधुनिक समय की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने के लिए किए गए हैं, न कि किसी राजनीतिक एजेंडे के तहत। शायद यही वजह थी कि संघ के एजेंडे को लागू करने वाली नई शिक्षा नीति के कार्यान्वन के मध्य सरकार प्रधान को हटाना नहीं चाह रही थी। परन्तु अब राजनीतिक गलियारों में अपुष्ट रूप से यह चर्चा भी हो रही है कि युवा आंदोलन के मध्य संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा सरकार को युवाओं के साथ 'संवाद और संवेदनशीलता' बरतने के दिए गए हालिया सुझाव के बाद ही सरकार ने उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने का फैसला किया है। बहरहाल शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद देश भर में युवाओं में दौड़ती खुशी के लहर इस बात का सुबूत है कि धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिकता के चलते नहीं बल्कि भारी युवा आक्रोश के चलते शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा है जिसे देश की युवा शक्ति अपनी बड़ी सफलता और जीत के रूप में देख रही है।

एसआईआर फॉर्म प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए वार्ड 16 में नागरिकों के बीच सक्रिय नजर आए नगरसेवक नवीन सिंह

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड के वार्ड क्रमांक 16 के नागरिकों के लिए एसआईआर फॉर्म प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह जमीनी स्तर पर सक्रिय होकर नागरिकों का मार्गदर्शन और सहयोग कर रहे हैं। नगरसेवक नवीन सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि जिन लोगों का एसआईआर फॉर्म अभी भी लंबित है, वे अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क कर जल्द से जल्द प्रक्रिया पूरी करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए वे स्वयं जनता के बीच उपस्थित रहकर आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान कर रहे हैं। नवीन सिंह ने कहा, जनता के बीच, जनता के साथ सेवा करना ही मेरा संकल्प है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने आवश्यक दस्तावेजों और एसआईआर फॉर्म की प्रक्रिया को समय पर पूरा करें, ताकि किसी भी प्रकार की परेशानी से बचा जा सके।

उमरोली आषाढ़ी एकादशी दिंडी में सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों ने संभाली सेवा की कमान

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। आषाढ़ी एकादशी के पावन अवसर पर उमरोली स्थित विठ्ठल-रुक्मिणी मंदिर देवस्थान समिति एवं नूतन विद्यामंदिर परिसर में आयोजित भव्य दिंडी कार्यक्रम के दौरान पालघर सिविल डिफेंस (नागरी सुरक्षा दल) के 16 स्वयंसेवकों ने उत्कृष्ट सेवा भावना का परिचय दिया। स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्राथमिक उपचार केंद्र तथा सहायता केंद्र स्थापित कर पूरे आयोजन के दौरान मुस्तैदी से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

यह सेवा कार्य पालघर सिविल डिफेंस के उपनियंत्रक के. आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन तथा पालघर विधानसभा क्षेत्र के विभागीय क्षेत्ररक्षक नीलेश वझे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। स्वयंसेवकों ने समय पर पहुंचकर दिंडी में शामिल श्रद्धालुओं को आवश्यक सहायता, प्राथमिक उपचार एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन पर विठ्ठल-रुक्मिणी मंदिर देवस्थान समिति, नूतन विद्यामंदिर प्रबंधन समिति तथा ग्राम के प्रथम नागरिक सरपंच प्रभाकर पाटील ने सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों के सेवा कार्य की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। आयोजन में उपस्थित पुलिस अधिकारियों ने भी स्वयंसेवकों की तत्परता, अनुशासन और जनसेवा की भावना की खुले दिल से प्रशंसा की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि धार्मिक आयोजनों में सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं आपातकालीन सहायता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वयंसेवकों की सेवा भावना ने आयोजन को और अधिक सुरक्षित एवं सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अल्मा लेजर्स ने भारत में लॉन्च किया अल्मा हार्मनी

मुंबई। ऊर्जा-आधारित मेडिकल एस्थेटिक तकनीकों के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी कंपनी अल्मा लेजर्स ने भारत में अपना नवीनतम मल्टी-एप्लिकेशन प्लेटफॉर्म अल्मा हार्मनीटु लॉन्च किया। इस अवसर आयोजित एक विशेष मीडिया कार्यक्रम में देश के प्रमुख त्वचा विशेषज्ञों, एस्थेटिक चिकित्सकों, उद्योग विशेषज्ञों तथा मीडिया प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भारत में नॉन-इनवेसिव (बिना सर्जरी वाले) एस्थेटिक उपचारों की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में मरीज कम रिकवरी अवधि वाले प्रभावी उपचार चाहते हैं, वहीं क्लीनिक भी ऐसी आधुनिक तकनीकों की तलाश में हैं जो बेहतर परिणाम देने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के उपचारों के लिए उपयुक्त हों। अल्मा हार्मनी एक ऐसा उन्नत प्लेटफॉर्म है, जिसे लेजर और लाइट-आधारित विभिन्न तकनीकों को एक ही सिस्टम में समाहित करके विकसित किया गया है। इसके माध्यम से स्किन रीजुवनेशन, मुंहासों एवं उनके निशानों का उपचार, पिग्मेंटेशन, वैस्कुलर लीजन, टैटू हटाना, स्थायी हेयर रिडक्शन तथा स्किन रिसर्फेसिंग जैसे अनेक उपचार किए जा सकते हैं। इस अवसर पर श्री मनोज गोगिया, डायरेक्टर झ्र सेल्स एंड सर्विस, अल्मा लेजर्स ने कहा, ₹भारत आज एस्थेटिक मेडिसिन के सबसे तेजी से विकसित हो रहे बाजारों में से एक है। आज के चिकित्सकों को ऐसी तकनीक की आवश्यकता है जो विश्वसनीय, उपयोग में सरल और उनकी दैनिक क्लिनिकल प्रैक्टिस में सहजता से शामिल हो सके। अल्मा हार्मनी को इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है, ताकि विभिन्न प्रकार की त्वचा पर सुरक्षित एवं उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकें। डॉ. रोहित बत्रा, एमडी, डर्मावर्ल्ड स्किन एंड हेयर क्लिनिक ने कहा, एस्थेटिक उपचारों में हमेशा ऐसी मशीनों का चयन करना चाहिए जिन्हें वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त हो और जिनकी विश्वसनीयता समय के साथ सिद्ध हो चुकी हो। अल्मा हार्मनी एक परिणाम-आधारित प्लेटफॉर्म है, जिसने वर्षों के विकास के बाद लगातार बेहतरीन और भरोसेमंद परिणाम दिए हैं। अल्मा हार्मनी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह अनेक ऊर्जा-आधारित तकनीकों को एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराता है। इससे चिकित्सकों को अलग-अलग मशीनों में निवेश किए बिना कई प्रकार के उपचार करने की सुविधा मिलती है। इसके अतिरिक्त इसका उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफेस, एर्गोनोमिक एप्लीकेटर्स तथा कस्टमाइज्ड ट्रीटमेंट प्रीसेट्स क्लिनिक के दैनिक कार्य को अधिक सरल और प्रभावी बनाते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने इस तकनीक का लाइव प्रदर्शन देखा तथा विशेषज्ञों से बातचीत कर यह जाना कि किस प्रकार यह प्लेटफॉर्म प्रत्येक मरीज की आवश्यकता के अनुसार व्यक्तिगत उपचार योजना तैयार करने में चिकित्सकों की सहायता करता है।

मीरा-भायंदर बना पंढरपुर, 51 फीट ऊंचे विठुराया के चरणों में गूंजा माऊली का जयघोष

आषाढ़ी एकादशी पर नवघर तालाब परिसर में भव्य महाआरती; वाराणसी की गंगा आरती की तर्ज पर हुआ आयोजन, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में ताल-मृदंग की गूंज, माऊली-विठ्ठल का अखंड जयघोष और चारों ओर फैला भक्तिरस... ऐसे भक्तिमय एवं भावुक वातावरण में देवशयनी आषाढ़ी एकादशी के पावन पर्व पर मीरा-भायंदर नगरी विठ्ठलमय हो गई। नवघर तालाब परिसर में स्थापित 51 फीट ऊंची भव्य श्री विठ्ठल प्रतिमा के समक्ष आयोजित महाआरती में हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालकमंत्री तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक की संकल्पना से साकार हुई 51 फीट ऊंची विठ्ठल प्रतिमा की महाआरती ने पूरे मीरा-भायंदर को पंढरपुर जैसा भक्तिमय स्वरूप प्रदान कर दिया। इस वर्ष महाआरती का विशेष आकर्षण वाराणसी की गंगा आरती की तर्ज पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठान रहा। काशी-वाराणसी से आए विद्वान पंडितों के मंत्रोच्चार और भव्य दीप प्रज्वलन के बीच श्री विठ्ठल की महाआरती संपन्न हुई। मंत्रोच्चार, दीपों की जगमगाहट और विठ्ठल नाम के जयघोष से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा।

मुंबई की सीमा पर स्थित मीरा-भायंदर शहर मिनी इंडिया के रूप में जाना जाता है, जहां सभी धर्मों के लोग आपसी सद्भाव और भाईचारे के साथ रहते हैं। शहर में वारकरी संप्रदाय की भी समृद्ध परंपरा है। अनेक बुजुर्गों और श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न कारणों से पंढरपुर जाना संभव नहीं हो पाता। इसी आस्था और भावना को ध्यान में रखते हुए ठाणे की तर्ज पर मीरा-भायंदर में 51 फीट ऊंची भव्य विठ्ठल प्रतिमा स्थापित की गई थी।

प्रतिमा के अनावरण के दौरान मंत्री प्रताप

सरनाईक ने संस्कृति युवा प्रतिष्ठान ट्रस्ट के माध्यम से प्रत्येक वर्ष आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर यहां भव्य महाआरती आयोजित करने का आश्वासन दिया था। इस वर्ष महाआरती का आयोजन कर उन्होंने अपने वचन को पूरा किया और मीरा-भायंदर के वारकरी एवं विठ्ठल भक्तों की श्रद्धा को सम्मान प्रदान किया। वाराणसी के पंडितों द्वारा की गई विशेष आरती के साथ ही स्थानीय भजनी मंडलों ने ताल-मृदंग की लय पर अभंग और कीर्तन प्रस्तुत किए। स्थानीय वारकरियों की फुगड़ी और भक्तिमय प्रस्तुतियों से नवघर तालाब परिसर भक्ति के रंग में सराबोर हो गया।

इस अवसर पर स्थानीय वारकरी संप्रदाय, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, भजनी मंडलों तथा बड़ी संख्या में नागरिक, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग उपस्थित रहे। विठ्ठराया के अलौकिक दर्शन और भव्य भक्तिमय आयोजन से श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। पूरे परिसर में माऊली-विठ्ठल के जयघोष से भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा।

शांति जगपत तिवारी के आकस्मिक निधन से शोक की लहर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पवई निवासी युवा समाजसेवी विजय नारायण तिवारी की मां शांति जगपति तिवारी का आज 74 वर्ष की उम्र में आकस्मिक निधन होने से यहां शोक की लहर दौड़ गई। वे अत्यंत विनम्र और धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। 27 जुलाई को सुबह 10 बजे टैगोर नगर श्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस अवसर पर उनके पांच बेटे विजय नारायण तिवारी, शिवनारायण तिवारी अजय तिवारी,अमित तिवारी, अजीत तिवारी के अलावा भारी संख्या में लोग उपस्थित रहेंगे। विजय नारायण तिवारी ने बताया कि उनकी मृत्यु से जुड़े सारे कार्यक्रम उनके पैतृक गांव सम्मनपुर , बदलापुर, जौनपुर में किए जाएंगे। कल पूरा परिवार गांव रवाना हो जाएगा। श्रीमती शांति तिवारी के पति जगपत तिवारी पवई इलाके के नामचीन आदमी थे। कोरोना के समय गांव में उनका निधन हो गया था। श्रीमती शांति जगपत तिवारी के निधन पर महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, वरिष्ठ पत्रकार ब्रजमोहन पांडे, डॉ त्रिलोकी नाथ मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, नरहरि तिवारी, पत्रकार कृष्णकांत मिश्रा,उनके परिवार के बद्री नारायण तिवारी, दयाशंकर तिवारी(डी एस)समेत अनेक लोगों ने गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

धामनकर नाका मित्र मंडल व स्वाभिमान सेवा संस्था द्वारा गणेशोत्सव का हुआ भव्य भूमि व पादुका पूजन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के धामनकरनाका स्थित धामनकर नाका मित्र मंडल व स्वाभिमान सेवा संस्था द्वारा मनाया जाने वाला गणेशोत्सव पर्व की सजावट की तैयारी मंडल के संस्थापक संतोष शेट्टी व पूर्व नगरसेविका शशिलता शेट्टी , राजेश शेट्टी द्वारा गणेश पूजन व भूमि पूजन कर शुरू कर दी गई है । बतादें कि गणेशोत्सव का 38 वां वर्ष है इस पंडाल को देश के प्रसिद्ध मंदिरों की हूबहू ईकोफ्रेन्डली प्रतिकृति बनाकर भिवंडी ही नहीं पूरे देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है । गणपति दर्शन के लिए ठाणे जिले के अलावा अन्य शहरों से हजारों की संख्या में गणेश भक्तों की भारी संख्या की भीड़ देखी जाती है ।

धामनकरनाका मित्र मंडल व स्वाभिमान सेवा संस्था गणेशोत्सव के दौरान गणेश भक्तों को किसी प्रकार की अनहोनी ना हो जिसके लिए गणपति बप्पा व पादुका पूजा के साथ भूमि पूजन किया गया । इस वर्ष मंडल द्वारा वाराणसी का स्वर्वेद महामंदिर मंदिर की प्रतिकृति दर्शनार्थियों को दिखाया जाएगा । जिसके लिए कलकत्ता से करीब 100 से अधिक कुशल कारीगरों को बुलाया गया है । उक्त भूमि-पूजन में मुख्य अतिथियों में के साथ भारी संख्या मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

कार्यक्रम के अवसर पर धामनकरनाका मित्र मंडल के संस्थापक अध्यक्ष संतोष शेट्टी के मार्गदर्शन व स्वाभिमान सेवा संस्था के अध्यक्ष राजेश शेट्टी के नेतृत्व में मंडल के महासचिव मोहन बल्लेवार, हसमुख भाई पटेल, बाबू भाई पटेल, राकेश पटवारी, महेश खापरे, विजय शाह, दिलीप पोद्दार, अनिल शेट्टी, दिनेश शेट्टी, सतीष शेट्टी, डा. प्रथम शेट्टी, श्रीनिवास सामल, ईश्वर पामू, भास्कर मेरगू, रमेश पुजारी, संतोष जम्पाल , विश्वनाथ शेट्टी , सागर शेट्टी, राकेश मंडल , राम बुरा, नीरज कपूर, तारू जाधव, तिरुपति श्रीपुरम, दीपक झा, ममता परमानी, सत्वशिला जाधव, सुनीता यादव आदि भारी संख्या में महिला/पुरुष साथ मंडल के प्रवक्ता संजय भोईर, ठाकुर कृष्ण गोपाल सिंह आदि भारी संख्या में लोग उपस्थित थे ।

कारगिल विजय दिवस पर गूंजा देशभक्ति का जयघोष

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड (पूर्व) स्थित रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स में कारगिल विजय दिवस उत्साह, श्रद्धा और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के वीर जवानों द्वारा प्रदर्शित अद्वितीय शौर्य, साहस और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में श्री राहुल चौहान (भा.पो.से.), पुलिस उपायुक्त, परिमंडल-1, मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों और युवाओं को देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा तथा राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करने के लिए प्रेरणादायी मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति से ओत-प्रोत विभिन्न प्रस्तुतियां पेश की गईं। एनसीसी कैडेट्स ने वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की, वहीं प्रेरणादायी भाषणों के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम और देशसेवा की भावना जागृत की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। वीर जवान अमर रहें ! भारत माता की जय।

नई गैलेक्सी अल्ट्रा2 और वॉच9 पर प्री-ऑर्डर ऑफर्स की घोषणा

मुंबई। सैमसंग ने अपने स्मार्टवॉच लाइनअप के नए मॉडल गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा2 और गैलेक्सी वॉच9 के भारत में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध होने का ऐलान किया है। इन दोनों मॉडल को 24/7 पहनने योग्य बनाने और निरंतर स्वास्थ्य निगरानी के लिए डिजाइन किया गया है। ये वॉच उपयोगकताओं के हेल्थ डेटा को नींद, शारीरिक गतिविधियों, हृदय स्वास्थ्य और रिकवरी से जुड़ी उपयोगी गाइडेंस में बदलती हैं।

सैमसंग इंडिया में एमएक्स बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट आदित्य बब्बर ने कहा, हमारा लक्ष्य एआई की शक्ति का उपयोग करके एक ऐसा भविष्य बनाना है जहाँ स्वास्थ्य सेवा निवारक, निरंतर और व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार हो। गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा2 और गैलेक्सी वॉच9 इसी दृष्टिकोण को साकार करती हैं, जो उन्नत स्वास्थ्य ट्रैकिंग सुविधाएँ प्रदान करती हैं। ये उपयोगकताओं के लिए भरोसेमंद साथी हैं और उन्हें उनकी सेहत के सफर में मदद करने के लिए सही समय पर जानकारियां और अलर्ट देती हैं।

आउटडोर गतिविधियों और सहनशक्ति वाले खेलों के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई सैमसंग की गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा2 टाइटेनियम सिल्वर और टाइटेनियम ग्रे (47mm) रंगों में उपलब्ध होगी। शॉक-रेसिस्टेंट टाइटेनियम बॉडी के साथ आने वाली यह वॉच आंतरिक री-इंजीनियरिंग की बदौलत 35% बड़ी (800mAh) बैटरी होने के बावजूद पिछली पीढ़ी की तुलना में 12% पतली है। इसमें क्वालकॉम का लेटेस्ट स्नैपड्रैगन एलीट प्लेटफॉर्म और धूप में बेहतर विजिबिलिटी के लिए 5000 निट्स की ब्राइटनेस डिस्प्ले दी गई है। फिटनेस के लिए इसमें नया 'ट्रेल रन' फीचर और पसीने के नुकसान से हाइड्रेशन का अनुमान लगाने वाला 'न्यूट्रिशन अलर्ट' दिया गया है। इसके अलावा, IP69K, 10 ATM और EN13319 सर्टिफिकेशन के साथ यह प्रोफेशनल डाइविंग सपोर्ट करती है, जो गहराई, समय, पानी का तापमान और 'मेयर्स' डाइविंग ऐप के माध्यम से सुरक्षित डाइविंग मेट्रिक्स स्वतः रिकॉर्ड करती है।

शिवशक्ति सेवा फाउंडेशन एवं श्री साई श्रद्धा प्रतिष्ठान ने किया नि:शुल्क व्हीलचेयर वितरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रविवार को असल्फा स्थित शिवशक्ति सेवा फाउंडेशन एवं श्री साई श्रद्धा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क व्हीलचेयर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंद दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर प्रदान कर उनके जीवन को अधिक सुगम, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन, उनके परिजन, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। व्हीलचेयर प्राप्त करने वाले लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास साफ दिखाई दिया। लाभार्थियों ने इस मानवीय पहल के लिए आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर शिवशक्ति सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष शुभ्रांशु दीक्षित

ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन को सेवा और जनकल्याण के रूप में मनाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को आसान बनाना ही सबसे बड़ा सामाजिक दायित्व है। दिव्यांगजनों को सम्मानपूर्वक और आत्मनिर्भर जीवन जीने का अवसर मिले, यही इस सेवा अभियान का उद्देश्य है।

शुभ्रांशु दीक्षित ने बताया कि संस्था भविष्य में भी स्वास्थ्य, शिक्षा, दिव्यांग सहायता तथा समाज के जरूरतमंद वर्गों के लिए इसी प्रकार के जनहित और सेवा कार्य लगातार आयोजित करती रहेगी। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से भी ऐसे मानवीय कार्यों में सहयोग देने की अपील की।

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी सहयोगियों, स्वयंसेवकों एवं दानदाताओं का आभार व्यक्त किया। सेवा ही सच्ची मानवता है₹ के संदेश के साथ संपन्न हुआ यह कार्यक्रम सामाजिक संवेदनशीलता और जनसेवा का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभरा।

40वीं वर्षगांठ पर सँडविझा का विस्तार

ठाणे/ नवी मुंबई। सँडविझा ने पिछले 40 सालों से मुंबईवासियों की कई पीढ़ियों को अपने लाजवाब स्वाद का दीवाना बनाने के बाद, एक बहुत महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया है। अपनी 40 वीं वर्षगांठ के खास मौके पर यह ब्रांड ठाणे के पांचपाखाड़ी और नवी मुंबई के सीवुड्स, सेक्टर 46-अ में अपने दो नए आउटलेट्स शुरू कर रहा है। ब्रांड का यह विस्तार दिखाता है कि उसका पूरा ध्यान प्रमुख बाजारों में अपनी पकड़ को और मजबूत करने पर है। इसके साथ ही, ब्रांड आज भी उसी गुणवत्ता, निरंतरता और सही कीमत की नीति पर कायम है, जो 1986 से शुरू हुए उसके इस सफर की असली पहचान रही है।सँडविझा 1986 में सांताक्रूज से एक छोटे से, पड़ोस के सैंडविच आउटलेट के रूप में शुरू हुआ था, और आज सँडविझा मुंबई के लोकप्रिय शाकाहारी क्यूएसआर ब्रांड्स में से एक बन चुका है। पिछले 40 सालों में इसने अपने स्वाद और सेवाओं से ग्राहकों का एक बड़ा और वफादार परिवार जुटाया है। यह भरोसा पीढ़ियों से चला आ रहा है और इसकी वजह है, यहाँ के ताजा, तुरंत बनने वाले सैंडविच और हमेशा मिलने वाला बेहतरीन स्वाद। अब सँडविझा अपने पांचवें दशक में कदम रख रहा है। इस मौके पर ब्रांड अपने बिजनेस को और आगे बढ़ा रहा है। साथ ही, वह अपने उन ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त कर रहा है, जिन्होंने उसे इस मुकाम तक पहुंचाया है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सँडविझा के डायरेक्टर पंकज शर्मा ने कहा, 40 साल पूरे करना सँडविझा परिवार के हर सदस्य के लिए बेहद गर्व का पल है। हमारे ग्राहकों का प्यार और भरोसा ही हमारे इस सफर की असली ताकत रहा है। यह वर्षगांठ जितनी हमारे ब्रांड की है, उतनी ही हमारे ग्राहकों के लिए भी एक जश्न है। इस खास मौके को और यादगार बनाने के लिए, हमें स्विगी डाइनआउट के साथ पार्टनरशिप करते हुए बेहद खुशी हो रही है। हम मिलकर एक स्पेशल एनिवर्सरी कैपेन ला रहे हैं। इससे हमारे ग्राहकों को अपने पसंदीदा सँडविझा आइटम्स का आनंद लेते हुए हमारे साथ जश्न मनाने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही, नए स्टोर्स की शुरूआत हमारे एक और संकल्प को मजबूत करती है। हम सँडविझा के इस बेहतरीन स्वाद और अनुभव को पूरे मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर) के ज्यादा से ज्यादा स्वादप्रेमियों तक पहुँचाना चाहते हैं। अपनी 40वीं वर्षगांठ के जश्न के एक हिस्से के रूप में, सँडविझा ने स्विगी डाइनआउट के साथ हाथ मिलाया है। इसके तहत 20 से 25 जुलाई तक छह दिनों का एक खास कस्टमर कैपेन चलाया जा रहा है। इस दौरान अगर ग्राहक पार्टनर डाइन-इन आउटलेट्स पर स्विगी डाइनआउट के जरिए पेमेंट करते हैं, तो उन्हें लागू मेनू आइटम्स पर पूरे 40% की आकर्षक छूट मिलेगी। यह ब्रांड का अब तक का सबसे बड़ा कस्टमर कैपेन है। इसे खास तौर पर ग्राहकों को उनके लगातार सहयोग और प्यार के लिए धन्यवाद देने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके साथ ही, ब्रांड ग्राहकों को अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर सँडविझा के इन 40 सालों का जश्न मनाने के लिए आमंत्रित कर रहा है। ठाणे के मानपाड़ा आउटलेट को मिले लगातार प्यार और शानदार रिस्पॉन्स के बाद, अब पांचपाखाड़ी में खुला यह नया आउटलेट ठाणे शहर में सँडविझा का दूसरा स्टोर है। यह स्टोर रणनीतिक रूप से ठाणे के प्रमुख फूड और रिटेल इलाकों में से एक में खोला गया है। इस नए आउटलेट में बैठकर आप खा सकते हैं, या फिर डिलीवरी की सेवा भी उपलब्ध है। दोनों तरह के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए इसे डिजाइन किया गया है। यह विस्तार ब्रांड की उस रणनीति को और मजबूत करता है, जिसके तहत वह बेहतरीन संभावनाओं वाले छोटे और स्थानीय बाजारों में अपनी पकड़ को और गहरा करना चाहता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

राज्यपाल के प्रस्तावित दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद, अधिकारियों ने किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 27 जुलाई को आयोजित होने वाले 30वें दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल के प्रस्तावित आगमन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क है। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान वीवीआईपी आगमन एवं प्रस्थान मार्ग, पार्किंग, प्रवेश एवं निकास द्वार, बैरिकेडिंग, ड्यूटी प्वाइंट तथा सुरक्षा उपकरणों की गहन जांच की गई। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी में तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ब्रीफिंग करते हुए निर्देशित किया कि सभी अपने निर्धारित स्थानों पर समय से पहुंचकर पूरी सतर्कता, अनुशासन और समन्वय के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उन्होंने संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को देने, यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश भी दिए।

30वें दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास, कुलपति ने बारीकी से परखी व्यवस्थाएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में मिनट-टू-मिनट निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सम्पन्न हुआ। पूर्वाभ्यास में समारोह की प्रत्येक गतिविधि का क्रमवार अभ्यास किया गया, ताकि मुख्य समारोह का संचालन सुव्यवस्थित, गरिमापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से किया जा सके। विश्वविद्यालय का 30वां दीक्षांत समारोह 27 जुलाई (सोमवार) को महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में आयोजित होगा। समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। मुख्य अतिथि के रूप में मेजर जनरल गौरव गौतम (अति विशिष्ट सेवा मेडल), अपर महानिदेशक, एनसीसी (उत्तर प्रदेश) उपस्थित रहेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय अतिविशिष्ट अतिथि तथा राज्य मंत्री (उच्च शिक्षा) श्रीमती रजनी तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में उपस्थित रहेंगी।

दीक्षांत समारोह में 83 मेधावी विद्यार्थियों को 84 पदक प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही 339 शोधार्थियों को पीएचडी तथा एक डीएससी (डॉक्टर ऑफ साइंस) की उपाधि प्रदान की जाएगी।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने पूर्वाभ्यास के दौरान दीक्षांत समारोह की गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने समारोह को और अधिक सुव्यवस्थित, गरिमामय एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने को कहा, ताकि दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय की गरिमा के अनुरूप सफलतापूर्वक सम्पन्न हो।

पूर्वाभ्यास में मुख्य अतिथि की भूमिका प्रो.आलोक सिंह ने निभाई। राज्यपाल एवं कुलाधिपति की भूमिका डॉ अनू त्यागी और उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय की भूमिका प्रो. सौरभ पाल तथा राज्य मंत्री (उच्च शिक्षा) श्रीमती रजनी तिवारी की भूमिका डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने निभाई।

83 मेधावियों को मिलेंगे 84 पदक, 339 शोधार्थियों को पीएचडी एवं एक को डीएससी की उपाधि

पूर्वाभ्यास के दौरान अतिथियों के आगमन, शैक्षणिक शोभायात्रा, मंचासीन होने, दीप प्रज्ज्वलन, उपाधि एवं पदक वितरण सहित समारोह के विभिन्न चरणों का निर्धारित समय के अनुरूप अभ्यास किया गया। संबंधित अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने दायित्वों के अनुरूप व्यवस्थाओं को परखा।

प्राइमरी के नन्हे-मनोरथों को स्कूल बैग, फल, ड्राई फ्रूट जामेट्री बॉक्स तथा महापुरुषों पर प्रकाशित पुस्तकें भेंट का रिहर्सल कराया गया। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए कुकड़ीपुर, देवकली, सुल्तानपुर और जासोपुर,जफरपुर गांवों में आयोजित खेलों के प्रथम तीन विजेताओं को भी राज्यपाल के हाथों विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके बाद 15 स्कूली बच्चे देशभक्ति और लोकगीत 3 बच्चे पर्यावरण और जलबचाव पर गीत सुनाया। बच्चों को रिहर्सल कराने में एनसीसी समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव, प्रो, राकेश यादव, डॉ. राजबहादुर यादव ने सराहनीय भूमिका निभाई।

कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए जारी दिशा-निदेशों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समारोह की गरिमा एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए सभी विद्यार्थी और शोधार्थी विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिशा-निदेशों का अनिवार्य रूप से पालन करें।

उन्होंने बताया कि मुख्य समारोह में प्रवेश केवल परिचय-पत्र के आधार पर दिया जाएगा। समारोह स्थल पर पेन, बैग, कैमरा, मोबाइल फोन, अस्त्र-शस्त्र एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। समारोह में भाग लेने वाले विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए निर्धारित ड्रेस कोड का पालन करना भी आवश्यक होगा।

दीक्षांत समारोह के पूर्वाभ्यास का संयोजन प्रो. अविनाश ने किया तथा संचालन प्रो. मनोज मिश्र ने किया। इस अवसर पर समारोह से जुड़ी विभिन्न समितियों के पदाधिकारी, शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और अपने-अपने दायित्वों से संबंधित व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। इस अवसर पर वित्त अधिकारी आत्मधर प्रकाश द्विवेदी, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. अविनाश पाथीडेंकर, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. राजकुमार, प्रो. संतोष सिंह, प्रो. अजय दूबे, प्रो. अजय द्विवेदी, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर समेत कार्य परिषद और विद्या परिषद के लोग उपस्थित थे।

कारगिल के वीरों को नमन, होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल में गूंजे देशभक्ति के स्वर

कारगिल विजय दिवस पर देशभक्ति गीतों से गूंजा होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल

जितेन्द्र कन्नौजिया

◆ शहीदों के सम्मान में विद्यार्थियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। छितौना स्थित होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल में रविवार को कारगिल विजय दिवस देशभक्ति और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक बृजेश कुमार जायसवाल, प्रधानाचार्या मंजुला पाण्डेय एवं समन्वयिका अंजली सिंह ने भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद कारगिल युद्ध के शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में कक्षा आठ व नौ के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कर दिया, जबकि प्राथमिक वर्ग के बच्चों ने वीर रस की कविताओं का पाठ किया। भाषण प्रतियोगिता में आकृति शुक्ला, पायल मौर्या एवं अनायशा यादव ने कारगिल युद्ध के वीर सैनिकों के शौर्य और बलिदान पर प्रकाश डाला।

प्रबंधक बृजेश कुमार जायसवाल ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस, अनुशासन और राष्ट्र समर्पण का प्रतीक है तथा विद्यार्थियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और 'भारत माता की जय' के नारों के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या मंजुला पाण्डेय, समन्वयिका अंजली सिंह, सुरभि सिंह, शाल्वी सिंह, अंकिता सोनी, रीमा, संगीता चौहान, उजाला निषाद, श्रुति जायसवारा, ज्योति गिरि, महक सोनी, साहेबा, आरती मौर्या, तहनियत, हर्ष गुप्ता, आशीष गुप्ता, अवनीश गिरि, रोहन मौर्या, शहजादे, सौभाग्य जायसवाल समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहें।

वाराणसी में राहगीरों से अश्लील हरकत करने के आरोप में दो महिलाएं गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी कमिश्नरेट में अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सिगरा थाना पुलिस और एंटी रोमियो स्क्वाड ने कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, सिगरा क्षेत्र में फ्लाईओवर के पिलर संख्या 57 से 60 के बीच कुछ महिलाओं द्वारा राहगीरों को रोककर अश्लील इशारे करने और उन्हें परेशान किए जाने की शिकायत मिली थी। सूचना के आधार पर एंटी रोमियो स्क्वाड ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जहां शिकायत सही पाए जाने पर दोनों महिलाओं को हिरासत में ले लिया गया। बताया गया कि महिलाओं की हरकतों से क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों को असुविधा हो रही थी और सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर अशोभनीय हरकतें करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ, चाहे वह पुरुष हो या महिला, कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

छप्पर में मिला युवक का शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप; पुलिस जांच में जुटी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के भलुआही गांव में शनिवार सुबह घर के बाहर छप्पर में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, भलुआही गांव निवासी चंद्रदीप गौतम पुत्र लालजी गौतम का शव शनिवार सुबह घर के बाहर बने छप्पर में मिला। शव देखते ही परिजनों में कोहराम मच गया। कुछ ही देर में मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। पुलिस युवक की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच कर रही है। वहीं, मृतक के परिजनों ने उसकी पत्नी और मामा पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस ने अभी तक हत्या की पुष्टि नहीं की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मृतक की पत्नी और उसके चचेरे मामा को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं।

कैथी टोल प्लाजा पर बंदरों का आतंक, दो दिन में दर्जनभर लोगों को काटा; कर्मचारी और यात्री दहशत में

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी-गाजीपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित कैथी टोल प्लाजा पर इन दिनों बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते दो दिनों में बंदरों ने टोल कर्मचारियों समेत करीब एक दर्जन लोगों को काटकर घायल कर दिया, जिससे कर्मचारियों और वाहन चालकों में दहशत का माहौल है। बंदरों के हमले में टोल कर्मचारी आशीष पांडे (28), राघवेंद्र यादव (27), सत्य प्रकाश सिसौदिया (26) और संजीव गुप्ता (27) घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए सैदपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उन्हें एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाई गई।

टोल कर्मचारियों के अनुसार, बंदर पूरे दिन टोल परिसर में डेरा जमाए रहते हैं। जैसे ही वाहन टोल पर रुकते हैं, वे कारों और अन्य वाहनों पर झपट्टा मार देते हैं। कई वाहन सवार भी उनके हमले का शिकार हो चुके हैं। इसके अलावा बंदर कर्मचारियों का भोजन और अन्य सामान छीनकर इधर-उधर बिखेर देते हैं, जिससे कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। कैथी टोल प्लाजा के प्रबंधक प्रवीण कौशिक ने बताया कि बंदरों का आतंक लगातार बढ़ रहा है और इससे कर्मचारियों व यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने वन विभाग से जल्द कार्रवाई करते हुए बंदरों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की मांग की है, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना या अप्रिय घटना से बचा जा सके।

81 दिवसीय गविष्ठी धर्मयुद्ध यात्रा एवं गौ गर्जना महासभा पूर्ण कर काशी पधारे शंकराचार्य जी महाराज

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। गौमाता के प्राणों की रक्षा हेतु गोरखपुर से शुरू हुई 81 दिवसीय गविष्ठी धर्मयुद्ध यात्रा, जो यूपी की सभी 403 विधानसभाओं से होकर गुजरी, लखनऊ में आयोजित गौगर्जना महासभा के साथ संपन्न हुई। इस दौरान आगामी गौरक्षार्थ आंदोलन की घोषणा के बाद परमाराध्य परमधमार्धीश ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज काशी पहुंचे।

काशी आगमन पर भक्तों और संतों ने पुष्पवर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया और जयघोष के साथ अभिनंदन किया। भक्तों के आग्रह पर शंकराचार्य जी महाराज चल पालकी में सवार होकर हरिश्चंद्र घाट मार्ग से होते हुए श्रीविद्यामठ पहुंचे। वहां मठ के प्रभारी ब्रह्मचारी परमात्मानंद ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनका आरती पूजन किया, जिसके बाद भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया।

शंकराचार्य जी महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पांडेय ने बताया कि वे 24 से 27 तारीख तक काशी प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान उनके सान्निध्य में विभिन्न आध्यात्मिक एवं मांगलिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 27 तारीख

को सायं संतों और भक्तों द्वारा उनका चरण पादुका पूजन कर वंदन एवं अभिनंदन किया जाएगा। इसके बाद 28 तारीख को वे छत्तीसगढ़ के बेमेतरा स्थित सपाद लक्षेश्वर धाम के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां वे दो माह का चातुर्मास्य व्रत अनुष्ठान करेंगे।

उन्होंने बताया कि इस बार गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शंकराचार्य जी महाराज काशी में उपस्थित नहीं रहेंगे, इसलिए भक्तों में पहले से ही चरण पादुका पूजन को लेकर विशेष उत्साह है। कल मध्याह्न 2 बजे शंकराचार्य घाट स्थित श्रीविद्यामठ में शंकराचार्य जी महाराज पत्रकारों से आगामी गौरक्षार्थ आंदोलन के संबंध में वार्ता करेंगे।

इस अवसर पर साध्वी पूर्णांबा दीदी, स्वामी प्रत्यूक्षैतन्यमुकुंदानंद गिरी, स्वामी निधिरव्यानंद सागर, देवेंद्र पांडेय, शैलेंद्र योगी, सक्षम सिंह सहित बड़ी संख्या में भक्त एवं संत उपस्थित रहे।

नजूल की जमीन पर फिर कब्जे का आरोप, दुकान खुलने से प्रशासन पर उठे सवाल

प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला उमर खान में नजूल की जमीन पर कथित अवैध कब्जे का मामला एक बार फिर चर्चा में है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि करीब एक वर्ष पूर्व एक दबंग दलाल ने कथित मिलीभगत के जरिए सरकारी भूमि पर कब्जा करा दिया, जहां अब दुकान संचालित की जा रही है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि संबंधित नजूल भूमि को फर्जी तरीके से नगर पालिका के अभिलेखों में दर्ज कराकर कब्जा किया गया। आरोप है कि कब्जे के दौरान स्थानीय पुलिस चौकी के कुछ लोगों की भूमिका भी संदिग्ध रही। पीड़ित के अनुसार, जब उसने मामले की शिकायत शकरमंडी चौकी पर की तो उसे पूरे दिन चौकी में बैठाए रखा गया और इसी बीच जमीन पर कब्जा कर लिया गया।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2015 में तत्कालीन जिलाधिकारी भानु चंद्र गोस्वामी के आदेश पर उक्त भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर समतल कराया गया था। इसके बावजूद कुछ वर्षों बाद दोबारा कथित रूप से कब्जा कर लिया गया और अब वहां दुकान भी खुल गई है।

मामले के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में चर्चा तेज है। लोगों का कहना है कि यदि भूमि नजूल की है तो उसकी जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए। अब सबकी निगाहें प्रशासन पर हैं कि वह मामले की निष्पक्ष जांच कराकर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराता है या नहीं।

कांवड़ यात्रा को लेकर योगी सरकार अलर्ट, अतिरिक्त बसें चलेंगी, 24 घंटे सक्रिय रहेगा कंट्रोल रूम

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। आगामी 30 जुलाई से शुरू होने वाली श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए योगी सरकार ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हरिद्वार सहित प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त बसों का संचालन करेगा। साथ ही यात्रा की निगरानी के लिए प्रत्येक क्षेत्रीय मुख्यालय पर 24 घंटे सक्रिय कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा।

परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कांवड़ यात्रा के दौरान बस संचालन पूरी तरह सुरक्षित और यात्रियों के अनुकूल रहे। परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु नारायण सिंह ने बताया कि कंट्रोल रूम यात्रा शुरू होने से समापन तक लगातार कार्य करेगा और सभी गतिविधियों की निगरानी करेगा।

हरिद्वार के अलावा लखनऊ, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज जाने वाले प्रमुख मार्गों पर यात्रियों की संख्या के अनुसार अतिरिक्त बसें संचालित की जाएंगी। कांवड़ मार्ग पर स्थित बस स्टेशनों पर पेयजल, स्वच्छ शौचालय, बैठने की व्यवस्था, साफ-सफाई, पूछताछ कक्ष, ध्वनि प्रसारण प्रणाली तथा खान-पान की सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी बसों की गति निर्धारित सीमा में रखने, चालकों का अनिवार्य ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट कराने और यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश जारी किए गए हैं।

इसके अलावा परिवहन अधिकारियों को जिला प्रशासन और पुलिस के साथ समन्वय बनाकर रूट डायवर्जन योजना का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। रूट डायवर्जन की जानकारी व्हाट्सएप ग्रुप, दूरभाष और अन्य संचार माध्यमों से तत्काल साझा की जाएगी ताकि बस संचालन बाधित न हो।

परिवहन मंत्री ने अधिकारियों और कर्मचारियों को कांवड़ यात्रियों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने, हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने तथा यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि निगम की बसों के संचालन से कांवड़ यात्रा किसी भी प्रकार से प्रभावित न हो।

नशे के खिलाफ सख्ती, मेडिकल स्टोरों पर होगी निगरानी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के निर्देश पर कलेक्ट्रेट सभागार में एन-कार्ड की जिला स्तरीय समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा ने की।

बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जनपद के सभी मेडिकल स्टोरों पर मनःप्रभावी दवाओं की बिक्री केवल चिकित्सक के वैध परामर्श-पत्र पर ही की जाए तथा दवाओं के स्टॉक का पूरा रिकॉर्ड पंजिका में अद्यतन रखा जाए।

इसके साथ ही सार्वजनिक एवं सुनसान स्थानों पर नियमित पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने, अस्पतालों, विद्यालयों तथा रेलवे और बस स्टेशनों के आसपास पान मसाला, गुटखा और दोहरा बेचने वाली दुकानों की सघन जांच करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने विशेष रूप से स्कूलों के आसपास किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने और ड्रग्स की तस्करी रोकने के लिए राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर संयुक्त चेकिंग अभियान चलाने पर जोर दिया।

स्कूलों के आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री पर रोक

बैठक में ड्रग्स की लत से पीड़ित लोगों के उपचार, नशा मुक्ति और पुनर्वास की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही 18 अगस्त 2026 को जिले के सभी स्कूलों और कॉलेजों में 'नेशनल प्लेज अगेंस्ट ड्रग्स' कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाने का निर्णय लिया गया।

महिला चिकित्सक के बिना चल रहा पीएचसी विंढमगंज, ग्रामीणों ने की तैनाती की मांग

सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विंढमगंज क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में महिला चिकित्सक के अभाव के कारण क्षेत्र की महिलाओं को इलाज कराने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बड़ी आबादी वाले इस क्षेत्र में फिलहाल केवल एक चिकित्सक के भरोसे स्वास्थ्य सेवाएं संचालित हो रही हैं, जिससे मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण अस्पताल पर अतिरिक्त दबाव बना हुआ है।

ग्राम प्रधान धरती डोलवा सुरेंद्र पासवान ने बताया कि विंढमगंज जैसे बड़े क्षेत्र में महिला चिकित्सक की तैनाती बेहद जरूरी है। उनका कहना है कि स्त्री एवं गुप्त रोगों से पीड़ित कई महिलाएं संकोच के कारण पुरुष चिकित्सक के सामने अपनी समस्या खुलकर नहीं बता पातीं, जिससे उन्हें समय पर उचित उपचार नहीं मिल पाता।

उन्होंने प्रदेश सरकार और स्वास्थ्य विभाग से मांग की कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विंढमगंज में शीघ्र महिला चिकित्सक की नियुक्ति की जाए, ताकि क्षेत्र की महिलाओं को सम्मानजनक, सुलभ और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

इस मांग के समर्थन में अभिषेक प्रताप, ओम प्रकाश रावत, मनीष मद्धेशिया, अजय गुप्ता, राकेश पासवान, ऐनुल सिद्दीकी, जिद्दन लाल, राजा राम, दीपक गुप्ता सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने भी आवाज उठाई। ग्रामीणों का कहना है कि महिला चिकित्सक की तैनाती से हजारों महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी और समय पर उपचार मिलने से विभिन्न बीमारियों की रोकथाम में भी मदद मिलेगी।

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल बनी अंजुमन जाफरिया की कदीम शब्बेदारी, इमाम हुसैन की याद में छलके अश्क

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शीराज-ए-हिंद की पहचान रही गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी मोहब्बत, भाईचारे और इंसानी यकजहती की रिवायत को एक बार फिर बुलंदी मिली, जब अंजुमन जाफरिया के जेरे-ए-एहतिमाम स्थानीय कल्लू मरहूम के इमामबाड़े में कर्बला के प्यासे शहीदों की याद में आयोजित कदीम तरही शब्बेदारी रविवार को अकीदत और एहतराम के साथ सम्पन्न हुई। शनिवार शाम से शुरू हुई इस शबबेदारी में मुल्क के विभिन्न हिस्सों से आए अकीदतमंदों ने नौहाख़्वानी, मातम और अश्कों के जरिये हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) और शहीदान-ए-कर्बला को खिराज-ए-अकीदत पेश किया।

शब्बेदारी की पहली मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना मेहर अब्बास रिजवी ने कहा कि कर्बला का पैगाम किसी एक कौम या फिरके तक सीमित नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत के लिए सब्र, इंसाफ, सच्चाई और जुल्म के खिलाफ डटकर खड़े होने का पैगाम है। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन (अ.स.) की कुर्बानी दुनिया को अम्न, मोहब्बत और इंसानी अखलाक का रास्ता दिखाती रहेगी। मजलिस की सोजख़्वानी

समर रजा और अफरोज रजा ने की।

अंतिम मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने वाके-ए-कर्बला के दर्दनाक मंजर को बयान किया तो पूरा इमामबाड़ा गमगीन हो उठा और अकीदतमंदों की आंखें अश्कबार हो गईं। उन्होंने कहा कि समाज की तरक्की के लिए जरूरी है कि लोग इल्म, ईमानदारी और इंसाफ को अहमियत दें तथा ऐसे रहनुमाओं का चुनाव करें जो इंसानियत और समाज की भलाई के लिए काम करें।

मजलिस के बाद शबीहे ताबूत बरामद हुआ, जिसके हमराह अंजुमन हैदरिया अब्दुल्लाहपुर (अम्बेडकर नगर), अंजुमन सज्जादिया कोपागंज (मऊ), अंजुमन कारवाने अजा जानसठ, अंजुमन रौनके अजा मुस्तफाबाद, अंजुमन सज्जादिया जलालपुर सहित नगर की विभिन्न अंजुमनों ने नौहाख़्वानी और मातम का नजराना पेश किया। पूरे आयोजन के दौरान अजादारी के साथ-साथ आपसी मोहब्बत, भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम के समापन पर अंजुमन जाफरिया के अध्यक्ष नजमुल हसन नजमी ने सभी अंजुमनों, मेहमानों और अकीदतमंदों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में मोहब्बत, इंसानी यकजहती और आपसी एहतराम को मजबूत करते हैं। संचालन जाहिद कानपुरी, बिलाल हसनैन एवं मोहम्मद अब्बास ऋषभ ने किया।

इस अवसर पर नजमुल हसन नजमी, मीनू खान, मास्टर वसीम, शाहनवाज खान, आफताब, हसन अब्बास मोनू, चंदू, रेशब, मीनू, डॉ. राहिल, आरिज जैदी, ताबिश जैदी, बिका, सकलैन, अंजुम खान, शकील खान, लाडले खान, अबूजर जैदी सहित हजारों की तादाद में इमाम हुसैन (अ.स.) के अकीदतमंद मौजूद रहे।

अखिल प्रजापति कुम्भकार समाज द्वारा महाराज दक्ष प्रजापति की जयंती मनाई गयी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अखिल प्रजापति कुम्भकार समाज (रजि.) के तत्वावधान में ब्रह्माजी के मानस पुत्र एवं समाज के आराध्य महाराज दक्ष प्रजापति जी की जयंती मुंबई में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ भव्य रूप से मनाई गई। कार्यक्रम में महाराष्ट्र सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए समाज के पदाधिकारियों, गणमान्यजनों, महिला शक्ति, युवाओं एवं बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने भाग लेकर समाज की एकता, संगठन और सर्वांगीण विकास का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाराज दक्ष प्रजापति जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। वक्ताओं ने अपने संबोधन में महाराज दक्ष प्रजापति जी के जीवन, आदर्शों और समाज के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक पूजा, यज्ञ, अनुष्ठान एवं वैवाहिक संस्कार का शुभारंभ ॐ श्री जय दक्ष प्रजापतये नमः के उच्चारण से किया जाता है। उन्होंने समाज के प्रत्येक परिवार से अपने घरों में महाराज दक्ष प्रजापति जी सहित समाज के महापुरुषों के चित्र एवं प्रतिमाएं स्थापित करने तथा नई पीढ़ी को उनके गौरवशाली इतिहास और संस्कृति से परिचित कराने का आह्वान किया।

सभा में घोषणा की गई कि जुलाई 2027 में राष्ट्रीय संयोजक शिवशंकर प्रजापति के नेतृत्व में महाराज दक्ष प्रजापति जी की जयंती राष्ट्रीय स्तर पर और भी भव्य एवं ऐतिहासिक रूप से आयोजित की जाएगी।

बैठक के दौरान समाज के आर्थिक, शैक्षणिक, सामाजिक एवं राजनीतिक सशक्तिकरण पर विस्तृत चर्चा हुई। समाज के व्यापारियों एवं उद्यमियों को प्राथमिकता देने, युवाओं को शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग, व्यापार, प्रशासन और राजनीति जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ने तथा समाज को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. ए. बी. प्रजापति, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रमेश प्रजापति, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट राजबहादुर प्रजापति, संस्थापक एवं राष्ट्रीय मुख्यमहासचिव रमेश प्रजापति, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नीबूलाल प्रजापति, दिलीप प्रजापति, राजेन्द्र वर्मा, राष्ट्रीय संयोजक शिवशंकर प्रजापति, संजय प्रजापति, रामकिशन प्रजापति, अजय प्रजापति, मुंबई संयोजक नागेन्द्र प्रजापति, पालघर जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष कमलेश प्रजापति, विभाग अध्यक्ष सुरेश प्रजापति, सुजीत प्रजापति, विकासचंद्र प्रजापति, विभाग उपाध्यक्ष सुभाष प्रजापति, उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, बाबा प्रजापति, धर्मराज प्रजापति, विजयनाथ प्रजापति, जैनेश प्रजापति, पुनवाषि प्रजापति, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी चंदन प्रजापति, श्रीमती रेनू कनोजिया, अनुपम यादव, चंदेश प्रजापति सहित उनकी पूरी टीम तथा बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, महिलाएं, युवा एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों एवं समाजबंधुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समाज की एकता, संगठन, सामाजिक समरसता एवं सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ हुआ।

श्री संकट मोचन हनुमत धाम में विराजे बजरंगबली

हरदोई (उत्तरशक्ति)। हरदोई अमिरता बढ़ैया स्थित श्री संकट मोचन हनुमत धाम शनिवार को भक्ति, श्रद्धा और सनातन आस्था का अद्भुत केंद्र बन गया। वैदिक मंत्रोच्चार और श्रद्धा के पावन वातावरण के बीच भगवान श्रीहनुमान की छह फीट ऊंची नवीन प्रतिमा की स्थापना की गई। महायज्ञ का संचालन गायत्री प्रज्ञापीठ पिहानी के प्रमुख ट्रस्टी अतुल कपूर ने किया। व्यवस्थापक देवेंद्र मिश्रा ने भक्ति रस से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति दी, जबकि सुनील सागर ने श्रीहनुमान के भजनों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया समाजसेवी एवं आयोजनकर्ता जोगराज सिंह ने भगवान श्रीहनुमान की नवीन प्रतिमा की स्थापना का मुख्य पूजन किया तथा महायज्ञ की पूर्णाहुति में सभी श्रद्धालुओं के साथ आहुतियां अर्पित कीं। कार्यक्रम में संजय सिंह, बलराम सिंह, शत्रुघ्न सिंह, निखिल, विवेक कुमार, हर्षित, सुनील राठौर, अनिल राठौर, धर्मेंद्र राठौर, अनु शर्मा, निखिल गुप्ता, रजनीकांत त्रिपाठी (सिरसा), रामू सिंह (बखरिया), आदित्य सिंह सहित सहादतनगर, कालाबोझ, माझिया, बखरिया और वाजिदनगर सहित आसपास के गांवों से आए हुए गायत्री प्रज्ञा पीठ के परिजनों ने मंच से प्राप्त निर्देशों का पालन करते हुए भक्तों से पूजन कराया।

इस दौरान पूर्व राज्यसभा सांसद नरेश अग्रवाल के प्रतिनिधि संजू शर्मा, ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेई, नगर पालिका परिषद पिहानी के अधिशासी अधिकारी अमित कुमार सिंह, पत्रकार नवनीत बाजपेई, मीरा गैस एजेंसी के प्रबंधक दुर्गेश पांडेय, समाजसेवी अखिलेश बाजपेई, सागर पांडेय, सभासद पियूष शुक्ला, भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव गुप्ता, पूर्व सभासद राजीव गुप्ता, सभासद प्रतिनिधि अरुण गुप्ता, विशाल सिंह, सदर लेखपाल आशीष बाजपेई, लेखपाल पंकज पाल, भारतीय किसान यूनियन अखंड भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणजीत सिंह राणा, वीरेश गुप्ता, दिनेश गुप्ता, पूर्व ब्लॉक प्रमुख जेपी गुप्ता, अजात बाजपेई, दीपक शर्मा, मुकेश शर्मा, मन्दीप सिंह, बब्लू पाल, सुभाष पाल, सुरेंद्र पाल, वेद प्रकाश पाल, अश्वनी एवं आशीष श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। महायज्ञ के दौरान हुई वर्षा भी श्रद्धालुओं की आस्था को डिगा नहीं सकी। तेज बारिश के बीच भी हजारों श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ यज्ञ, प्रतिमा स्थापना एवं विशाल भंडारे में अंत तक बने रहे। स्वयंसेवकों ने व्यवस्था संभालते हुए श्रद्धालुओं की सेवा में कोई कमी नहीं आने दी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए कोतवाल श्याम नारायण सिंह पुलिस बल के साथ पूरे समय मुस्तैद रहे। वहीं जनसेवा की भावना से नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी अमित कुमार सिंह, वरिष्ठ लिपिक गोपाल कृष्ण अवस्थी, लिपिक अश्विनी बाजपेई एवं पालिका कर्मी लगातार व्यवस्थाओं में जुटे रहे। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रभारी अधीक्षक डॉ. जितेंद्र श्रीवास्तव के निर्देशन में डॉ. हीरा मुमताज सहित 10 सदस्यीय चिकित्सा दल ने शिविर लगाकर सेवाएं दीं। गायत्री प्रज्ञापीठ पिहानी के 51 परिजनों ने पूरे महायज्ञ को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। प्रमुख ट्रस्टी अतुल कपूर ने कहा, सनातन परंपरा में यज्ञ के दौरान अथवा पूर्णाहुति के बाद वर्षा होना ईश्वर की विशेष कृपा और शुभ संकेत माना जाता है।

इंदौर में ट्रेन की टक्कर से युवक की मौत: राजेंद्र नगर में रेलवे ट्रैक पर मिला शव

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह रेलवे ट्रैक के पास एक युवक का शव मिला। पुलिस का अनुमान है कि उसकी मौत ट्रेन की टक्कर से हुई है। वहीं, शहर में अलग-अलग स्थानों पर दो लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस तीनों मामलों की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक रविवार सुबह करीब 8 बजे भीमनगर रेलवे क्रॉसिंग के पास ट्रैक किनारे एक शव पड़े होने की सूचना मिली। दूसरी ट्रेन के लोको पायलट ने शव देखकर रेलवे कंट्रोल रूम को सूचना दी थी। मौके पर पहुंची जीआरपी और पुलिस ने पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। मृतक की उम्र करीब 25 साल बताई जा रही है। उसके पास कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिले। पुलिस का प्राथमिक अनुमान है कि वह चलती ट्रेन से गिरा या ट्रेन की चपेट में आ गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेज दिया गया है।

संविधान और आरक्षण की रक्षा का संकल्प लें: बाबूसिंह कुशवाहा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी जौनपुर की ओर से जिला कार्यालय सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज में रसंविधान मान स्तंभ दिवस (आरक्षण दिवस) का वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज पीजी कॉलेज के प्रवक्ता प्रो. लालसहब यादव और मुख्य वक्ता जौनपुर के सांसद बाबूसिंह कुशवाहा रहे। दोनों नेताओं ने संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय और आरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संविधान एवं आरक्षण की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। प्रो. लालसहब यादव ने कहा कि संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को समान अवसर और अधिकार प्रदान करता है। आरक्षण सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने का माध्यम है। सांसद बाबूसिंह कुशवाहा ने कहा कि सभी को संविधान और आरक्षण की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक व्यवस्था को मजबूत करना सभी की जिम्मेदारी है।

जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि भारतीय संविधान देश के लोकतंत्र की आत्मा है और आरक्षण सामाजिक न्याय का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर, डॉ. राम मनोहर लोहिया और नेताजी मुलायम सिंह यादव के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान, श्रद्धा यादव, पूर्व मंत्री संगीता यादव, प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह, सुशील दुबे, दीपचंद राम, जयंती यादव सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने संविधान की गरिमा, सामाजिक न्याय और आरक्षण की संवैधानिक व्यवस्था को सुरक्षित रखने का सामूहिक संकल्प दोहराया। इस दौरान लोकगायक रवि रांझा ने प्रेरणादायक गीतों के माध्यम से संविधान और आरक्षण की रक्षा का संदेश दिया। राम आसरे पटेल ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। अंत में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए संविधान और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने का आह्वान किया।

कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, पूर्व सैनिकों का हुआ सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संगठन, जौनपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर जवानों को याद करते हुए उन्हें खिराज-ए-अकीदत (श्रद्धांजलि) पेश की गई।

इस अवसर पर पूर्व सैनिकों को सम्मानित कर उनके साहस, सेवा और समर्पण के लिए बधाई दी गई। आयोजन में मौजूद लोगों ने देश के वीर सैनिकों के बलिदान को नमन करते हुए राष्ट्र सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सोते समय जहरीले सर्प के डसने से 3 वर्षीय मासूम बच्चे की हुई मौत, दीवाल तोड़ने पर मिला जहरीला सांप

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया बसंतपट्टी गांव के राजभर बस्ती में शनिवार की भोर में चौकी पर सोते समय रविंद्र राजभर के 3 वर्षीय पुत्र आयुष नामक मासूम बच्चे को जहरीला गेहूवन कोबरा सर्प के काटने से मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार पिता रविंद्र राजभर तथा माता उषा के साथ चौकी पर सोए हुए 3 वर्षीय बच्चा आयुष अचानक लगभग 3 बजे भोर में रोने लगा जिसे देखते ही देखते आयुष के मुंह से झाग निकलने लगा और बेहोश हो गया। तब परिवार वालों के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों ने बच्चे को किसी जहरीले जंतु के डसने की आशंका जताई। बेहोशी हालत में उक्त बच्चे को इलाज के लिए लोहता क्षेत्र के सीटकहवा बाबा मंदिर के पास क्रिश्चियन हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां पर डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने पर इलाज करने से इनकार कर दिया।

उसके उपरांत परिवार वालों ने गाजीपुर जिले के अमवा की सती माई पहुंच कर झाड़ फूंक कराया लेकिन बच्चा बच न सका और अंत में बच्चे की मौत हो गई। परिवार वालों ने बेटावर घाट पर पहुंच कर केला के तने में उक्त बच्चों की शव को बांधकर गंगा में बहा दिए। घर वापस लौटने पर परिवार वालों ने जहां पर बच्चा सोया था उक्त मकान के दीवाल में बिल देखकर आशंका बस उक्त दीवाल को तोड़कर गिराया जिसमें जहरीला कोबरा सर्प मिला जिसे आक्रोशित परिजनों ने कुचकर मार डाला। रविंद्र राजभर के तीन बेटों में मृतक आयुष दूसरा नंबर का पुत्र था। जिसके दौरान पिता रविंद्र राजभर तथा माता उषा देवी सहित परिवार के लोगों का रो रो का बुरा हाल हो गया।

कोटेदारों के उत्पीड़न पर सख्त हुए सीएम योगी, भ्रष्टाचार साबित होते ही तत्काल निलंबन के निर्देश

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की समीक्षा के दौरान कोटेदारों के उत्पीड़न पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि राशन डीलरों को अनावश्यक रूप से परेशान करने, शिकायतों के नाम पर दबाव बनाने या किसी प्रकार का शोषण करने की शिकायत बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कोटेदार गरीबों तक खाद्यान्न पहुंचाने वाली व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। ऐसे में उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए और राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखी जाए।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों और जिला पूर्ति अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। यदि किसी अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाते हैं, तो उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए। साथ ही ऐसे मामलों में विजिलेंस जांच कराकर आवश्यक विधिक एवं विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता लाभार्थियों और कोटेदारों दोनों के हितों की रक्षा करना है। राशन वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही, भ्रष्टाचार या उत्पीड़न को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों को समय पर और बिना किसी बाधा के उनका हक मिले।

मुख्यमंत्री के इन निर्देशों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और भ्रष्टाचारमुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

काशी विश्वनाथ धाम में कारगिल के अमर वीरों को श्रद्धांजलि, राष्ट्र की रक्षा व शांति के लिए बाबा से प्रार्थना

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शनिवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम राष्ट्रभक्ति और वीर शहीदों के सम्मान का साक्षी बना। नमामि गंगे काशी क्षेत्र की ओर से आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए कारगिल युद्ध के अमर वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान धाम के गंगा द्वार और भारत माता की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित किए गए तथा देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे सैनिकों की कुशलता, सुरक्षा और दीर्घायु के लिए बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना की गई।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं ने दो मिनट का मौन रखकर कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को याद किया। इस दौरान ॥भारत माता की जय॥ और ॥वंदे मातरम॥ के उद्घोष से पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। उपस्थित लोगों ने कहा कि भारतीय सेना के जवान हर परिस्थिति में देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं और उनके साहस, त्याग तथा समर्पण के कारण ही देशवासी सुरक्षित जीवन व्यतीत कर पा रहे हैं। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक एवं नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अद्वितीय पराक्रम, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1999 में कारगिल की दुर्गम और बर्फीली चोटियों पर भारतीय सैनिकों ने विषम परिस्थितियों में अद्भुत वीरता का परिचय देते हुए पाकिस्तान की घुसपैठ को विफल किया और कब्जाई गई रणनीतिक चौकियों पर पुनः तिरंगा फहराकर पूरे विश्व को भारतीय सेना की शक्ति और संकल्प का परिचय कराया।

राष्ट्रीय चौहान महासंघ, भरुच-अंकलेश्वर प्रबंधन समिति द्वारा छात्र-छात्रा सम्मान समारोह संपन्न

भरुच (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय चौहान महासंघ, भरुचअंकलेश्वर प्रबंधन समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में छात्र-छात्रा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन राष्ट्रीय चौहान महासंघ के बैनर तले किया गया। कार्यक्रम में समाज के सैकड़ों गणमान्य नागरिकों, मातृशक्ति, युवा साथियों एवं स्वजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता योगेंद्र शंकर चौहान ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रमेश भाई मिस्त्री (भरुच) की प्रेरणादायी उपस्थिति रही। उन्होंने छात्र-छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने तथा समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम संचालन शैलेश जवाहरलाल चौहान व गोविन्द कैलाश चौहान जी के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय महासचिव गोविन्द कैलाश चौहान, राष्ट्रीय प्रवक्ता शैलेश जवाहरलाल चौहान, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रामनारायण तेजू चौहान, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष लल्लन नथुनी चौहान, भरुच जिला अध्यक्ष व्यास मुनी चौहान, भरुच जिला महासचिव जीतेन्द्र चौहान, भरुच जिला उपाध्यक्ष कमला प्रसाद चौहान, गुजरात प्रदेश कोषाध्यक्ष दलश्रृंगार रामनगर चौहान, गुजरात प्रदेश कार्याध्यक्ष हरेन्द्र बिजुली चौहान, भरुच जिला कार्याध्यक्ष जीतेन्द्र रामनक्षत्र चौहान सहित रविन्द्र चौहान, प्रेमशंकर चौहान, मनोज चौहान, पारसनाथ चौहान, बृजेश चौहान, राधेश्याम चौहान, दुलीचंद्र चौहान, राजकरण चौहान, प्रेम चौहान, शौर्य चौहान, हिमांशु चौहान, धनंजय चौहान, संगीता चौहान, सुनीता चौहान, उषा देवी, आराध्या चौहान, अमायरा चौहान, डॉ. हिमांगी चौहान, पुष्पा देवी, राजकुमारी दीदी एवं अनेक समाजसेवी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान शैक्षणिक उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसमें 10वीं कक्षा उत्तीर्ण 15, 12वीं कक्षा उत्तीर्ण 20, तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 18 छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान-चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय चौहान महासंघ के नव-नियुक्त पदाधिकारियों को उनके नियुक्ति-पत्र भी वितरित किए गए तथा समाजहित में समर्पित होकर कार्य करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आयोजन भरुचअंकलेश्वर प्रबंधन समिति के सहयोग से संपन्न हुआ। अंत में सभी अतिथियों, समाजजनों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समाज की शिक्षा एवं संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

नई पीढ़ी सवाल पूछती है, हमें संवाद से जवाब देना होगा: मोहन भागवत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नई दिल्ली राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी पहले की तुलना में अधिक सवाल पूछती है और उसे आदेश देने के बजाय संवाद के माध्यम से समझाने की जरूरत है।

दिल्ली में विश्वमांगल्य सभा द्वारा आयोजित हासमकालीन मातृत्वह विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि उनके युवा दिनों में परिवार में बड़े-बुजुर्गों की बात को बिना सवाल किए मानने की परंपरा थी, लेकिन अब समय बदल गया है। नई पीढ़ी हर बात का कारण जानना चाहती है।

उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ डिक्टेशन नहीं, बल्कि डिस्कशन करना होगा। उन्हें अपनापन, प्यार और समय देना जरूरी है। परिवारों में बातचीत कम होने को लेकर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि बदलती पारिवारिक संरचना के कारण संवाद की कमी बढ़ रही है।

भागवत ने कहा कि नई पीढ़ी तर्क और चर्चा में विश्वास रखती है। कई बार बच्चे धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं को लेकर सवाल करते हैं, लेकिन माता-पिता के पास उनके जवाब नहीं होते। उन्होंने कहा कि ऐसे विषयों को शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, हालांकि बच्चों को केवल पाठ्यपुस्तकों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। छात्रों को आदर्श और प्रेरणा की जरूरत है।

युवाओं को राष्ट्रवादी आदर्शों से जोड़ने के सवाल पर भागवत ने कहा कि भारत के युवा शक्ति में अपार ऊर्जा और समर्पण की भावना है। यह कहना गलत है कि आज की युवा पीढ़ी भटक रही है। जरूरत सिर्फ ऐसे विश्वसनीय आदर्शों और उदाहरणों की है, जिनसे युवा प्रेरणा ले सकें।

उन्होंने कहा कि जहां युवाओं को सही उदाहरण और प्रेरणा मिलती है, वहां वे देश और समाज के लिए बड़े त्याग के लिए भी तैयार रहते हैं। उन्होंने चिन्मय मिशन, स्वामीनारायण मिशन और गायत्री परिवार जैसे आध्यात्मिक आंदोलनों से जुड़े युवाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि आरएसएस को भी हर साल बड़ी संख्या में युवा प्रचारक मिलते हैं।

भागवत ने कहा कि शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप और शहीद भगत सिंह जैसे महापुरुष युवाओं के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। आदर्श उन्हीं लोगों से बनते हैं, जिनसे व्यक्ति लगातार संपर्क में रहता है। उन्होंने भारतीय युवाओं की प्रतिभा और क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि युवा शक्ति ने बार-बार अपनी योग्यता साबित की है।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि मेजर जनरल गौरव गौतम पहुंचे विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने किया स्वागत, वरिष्ठ एनसीसी अधिकारी भी रहे साथ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि मेजर जनरल गौरव गौतम, विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित, अपर महानिदेशक (एडीजी), एनसीसी उत्तर प्रदेश का विश्वविद्यालय परिसर पहुंचने पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने स्वागत किया। मुख्य अतिथि मेजर जनरल गौरव गौतम के साथ ग्रुप कैप्टन विकास परिहार, ग्रुप कमांडर, एनसीसी वाराणसी ग्रुप हवाई तथा कर्नल आलोक सिंह धर्मराज, कमांडिंग ऑफिसर, 98 यूपी बटालियन एनसीसी, जौनपुर भी विश्वविद्यालय पहुंचे। विश्वविद्यालय की ओर से उनका भी स्वागत किया गया। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने मुख्य अतिथि एवं उनके साथ आए अधिकारियों का अभिनंदन करते हुए विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले 30वें दीक्षांत समारोह से जुड़ी तैयारियों और व्यवस्थाओं से उन्हें अवगत कराया। इस अवसर पर कुलसचिव केशलाल, वित्त अधिकारी आत्म प्रकाश धर द्विवेदी उपस्थित रहे।

आषाढ़ी एकादशी पर गूंजे विठ्ठल नाम के जयघोष

मुंबई। आषाढ़ी एकादशी के पावन पर्व पर वी.पी.एम्स बी.आर. टोल इंग्लिश हाई स्कूल, मुलुंड (पूर्व) में आयोजित धार्मिक, सांस्कृतिक एवं भारतीय भाषा उत्सव ने विद्यालय परिसर को भक्तिमय वातावरण में रंग दिया। विठ्ठल नाम के जयघोष, संतों के अभंग, पारंपरिक नृत्य और भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह का शुभारंभ श्री विठ्ठल माऊली की भव्य पालकी के आगमन और विद्यालय की प्रधानाचार्या अजीता नायर द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सामूहिक प्रार्थना के बाद विद्यार्थियों ने संत परंपरा पर आधारित मराठी अभंगों का सुमधुर गायन तथा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर वारकरी परंपरा की जीवंत झलक प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के दौरान भक्त पुंडलिक एवं भगवान विठ्ठल के जीवन पर आधारित लघु नाटिका, भारुड, संत तुकाराम महाराज के संदेशों पर प्रेरक प्रस्तुति, पथनाट्य तथा भगवान विठ्ठल को समर्पित भावपूर्ण पत्र वाचन ने सभी को भावविभोर कर दिया। पथनाट्य के माध्यम से विद्यार्थियों ने पारिवारिक मूल्यों, पीढ़ियों के बीच संवाद, भारतीय संस्कृति के संरक्षण तथा मातृभाषाओं के महत्व का प्रभावशाली संदेश दिया।

वारकरी संप्रदाय के अभंगों और श्री विठ्ठल के जयघोष से पूरा विद्यालय परिसर भक्तिरस में सराबोर हो गया। रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा में विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को जीवंत बना दिया। आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम का भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर प्रधानाचार्या अजीता नायर ने विद्यार्थियों को संतों की शिक्षाओं को जीवन में आत्मसात करने, भारतीय भाषाओं के संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत के सम्मान तथा नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति, परंपराओं और मातृभाषाओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। अजीता नायर ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आध्यात्मिक चेतना, भारतीय संस्कृति के प्रति गौरव तथा भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना था।

बिहार में ऑप्टोमेट्री सेवाओं को नई दिशा देगा विजन बिहार 2026 : श्रेयसी सिंह

पटना (उत्तरशक्ति)। बिहार ऑप्टोमेट्री एसोसिएशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय बिहार ऑप्टोमेट्री कॉन्फ्रेंस विजन बिहार 2026 का सफल समापन तारामंडल कम्युनिटी प्लाजा, कृष्णपुर में हुआ। सम्मेलन में राज्य सहित देशभर से आए विशेषज्ञों ने मायोपिया कंट्रोल, विजन थेरेपी, टेली-ऑप्टोमेट्री, पीडियाट्रिक आई केयर, डिजिटल आई केयर, ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र स्वास्थ्य, क्लीनिकल ऑप्टोमेट्री, कम्युनिटी विजन केयर, स्पोर्ट्स आई सेफ्टी और ऑप्टोमेट्री के बदलते स्वरूप जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से अपने विचार साझा किए। समापन समारोह की मुख्य अतिथि बिहार सरकार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि विजन बिहार 2026 जैसे सम्मेलन नेत्र स्वास्थ्य के क्षेत्र में जागरूकता, नवाचार और विशेषज्ञों के अनुभवों के आदान-प्रदान का सशक्त मंच हैं। मुझे विश्वास है कि ऐसे आयोजन बिहार में ऑप्टोमेट्री सेवाओं को नई दिशा देंगे और बेहतर नेत्र स्वास्थ्य सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि बेहतर दृष्टि किसी भी खिलाड़ी के प्रदर्शन का अहम आधार होती है और इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। सम्मेलन के दौरान बिहार में ऑप्टोमेट्री काउंसिल के गठन तथा सरकारी एवं स्वास्थ्य संस्थानों में ऑप्टोमेट्रिस्ट के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति की आवश्यकता पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बिहार ऑप्टोमेट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. पंकज कुमार सिन्हा ने समापन संबोधन में कहा कि विजन बिहार 2026 केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि बिहार में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में हुई चर्चाओं और सुझावों को सरकार एवं संबंधित विभागों तक पहुंचाया जाएगा, ताकि ऑप्टोमेट्री शिक्षा, रोजगार और मरीजों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस पहल हो सके।